''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

HARHIN11569

वर्ष 02, अंक 81 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए रविवार, 23 मार्च 2025 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

बजट में प्रस्तावित घोषणाओं को चिन्हित कर, योजना बनाकर तय समय सीमा में तेज गति से करना होगा कार्य : मुख्यमंत्री

समाचार गेट/नरवीर यादव

चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 2025-26 के बजट घोषणाओं को चिन्हित कर योजना बनाकर तय समय सीमा में तेज गति से कार्य करते हुए, उन्हें आगामी तीन से छह महीने में शत प्रतिशत योजनाओं को धरातल पर लेकर जाना है। ताकि लोगों को उन योजनाओं का लाभ तय सीमा में दिया जा सकें।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यह बात आज यहां वर्ष 2025-26 के बजट प्रस्तावों की विभागानुसार रूपरेखा को लेकर प्रशासनिक सचिवों के साथ बैठक के दौरान कही। उन्होंने सभी उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी बैठकों के मिनटस समयबद्ध तरीके से तैयार कर मुख्यमंत्री कार्यालय में पहुँचाना सुनिश्चित करें।

नागरिक अस्पतालों में अत्याधुनिक उपकरण, टैस्ट व अन्य सुविधाएं और अधिक किए जाए प्रदान

श्री नायब सिंह सैनी ने यह भी निर्देश दिए कि आगामी छह महीनों में सभी जिला नागरिक अस्पतालों में सभी सुवधिाएं पूरी होनी चाहिए। ताकि मरीजों को ईलाज करवाने के लिए किसी भी दूसरे अस्पताल न जाना पडे। इसके अलावा, उन्होंनें कहा कि हमें इस और अधिक बढ़ना होगा कि आयुष्मान योजना के तहत ईलाज करवाने के लिए व्यक्ति को दूसरे अस्पताल में अपना ईलाज करवाने के लिए न जाना पडे। इसके लिए हमें नागरिक अस्पतालों में अत्याधुनिक उपकरण, टेस्ट व अन्य सुविधाएं और अधिक, समय पर प्रदान करनी होगी। मुख्यमंत्री ने इसके लिए एक सेल बनाने के भी निर्देश दिए है।

नागरिक अस्पताल, सीएचसी व पीएचसी के उपकरणों को तुरंत करवाया जाए ठीक

इसके अतिरिक्त, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अगर किसी भी नागरिक अस्पताल, सीएचसी व पीएचसी में कोई उपकरण खराब हो जाता है तो उस उपकरण को तुरंत रिपेयर/ठीक करवाया जाए। इसके लिए सम्बंधित इंचार्ज की जिम्मेवारी तय की जाए। उन्होंनें कहा कि गति से काम होगा तो लोगों को समय पर सुविधाएं मिलेगी। इसके अलावा, बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को तीव्र गति से आगे बढ़ाना है।

अधिकारी विद्यालयों व अस्पतालों का प्रति माह करेंगे दौरा

नायब सिंह सैनी ने उच्चाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रथम व द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को प्रति माह किसी न किसी सरकारी विद्यालय में जाना अनिवार्य है। अपनी रूचि के विषय तथा अपने विभाग के प्रकल्पों पर विद्यार्थियों से चर्चा करने के साथ-साथ वहां की सभी प्रकार की व्यवस्थाओं को जान सकें। इसके अलावा, अधिकारी उसी जिला के किसी भी नागरिक अस्पताल, सीएचसी व पीएचसी में से किसी एक का भी दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं को जाँचने का काम करेंगे। इसके लिए एक पोर्टल बनाया जाएगा।

सरकारी विभागों की जमीन को किया जाए चिन्हित

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी राजस्व संबंधित विभागों के प्रशासनिक सचिवों की 15 दिन में एक बैठक मुख्य सचिव और एक माह में मुख्यमंत्री द्वारा ली जाएगी। जिसमें राजस्व प्रवाह और संवर्धन रणनीतियों पर समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने विभागाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि सरकारी विभागों की प्रदेश में जहां पर भी जमीन है उसे चिनहित किया जाए और उसकी रिपोर्ट विभाग अनुसार मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रस्तुत की जाए।

चैटबॉट 'सारथी' नागरिक सहभागिता में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए किया गया डिज़ाइन

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने मुख्य सचिव कार्यालय की वेबसाइट (http://csharyana.gov.in) के लिए अत्याधुनिक कृत्रिम मेधा संचालित चैटबॉट 'सारथी' का शुभारंभ किया। इसे नागरिक सहभागिता में क्रांतिकारी बदलाव लाने और वर्षों से प्रकाशित महत्वपूर्ण सरकारी निर्देशों, पत्रों एवं अधिसूचनाओं तक आसान पहुँच सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

वर्षों से प्रकाशित महत्वपूर्ण सरकारी निर्देशों, पत्रों एवं अधिसूचनाओं तक सुनिश्चित करेगा आसान पहुँच

मुख्यमंत्री को बैठक में बताया गया कि यह अत्याधुनिक चैटबॉट उपयोगकर्ताओं की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वेबसाइट पर पहले से उपलब्ध 17,820 से अधिक आधिकारिक दस्तावेजों के विशाल संग्रह का उपयोग करता है, जिनमें 73622 पृष्ठ स्कैन किए गए पी.डी.एफ. दस्तावेज़ों के रूप में मौजूद हैं। चैटबॉट के ज्ञान भंडार में प्रमुख दस्तावेज़ शामिल हैं, जैसे, निर्देश, एजेंडा, परिपत्र, अधिनियम, नीतियाँ, अधिसूचनाएँ, आदेश इत्यादि।

सीएमओ ने मरीजों को समय पर बेहतर इलाज़ तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। जिला फरीदाबाद के नवनियुक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयंत आहूजा ने पदभार संभालते ही जिला नागरिक अस्पताल बी.के. का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ. आहूजा ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से वार्तालाप कर फीडबैक लिया। उन्होंने अस्पताल में आने वाले मरीजों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा मरीजों के लिए पर्याप्त मात्रा में सभी जरूरी दवाओं को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

सीएमओ डॉ. आहूजा ने सभी चिकित्सकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित समय पर अपनी ड्यूटी पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में अनियमितता और गैरहाजिरी को गंभीरता से लिया जाएगा और नियमानुसार कार्यवाही भी की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अस्पताल परिसर में साफ़-सफाई, मरीजों के परिजनों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल आदि सुविधाओं का ख़ास ख्याल रखने के निर्देश भी दिए।

विश्व जल दिवस पर हरियाणा से शुरू हुआ राष्ट्रव्यापी जल शक्ति अभियानः कैच द रेन-2025

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। विश्व जल दिवस पर हरियाणा ऐतिहासिक क्षण का गवाह बना जब जल संरक्षण और जल संचयन की दिशा में जिला पंचकूला से राष्ट्रव्यापी अभियान जल शक्ति अभियान: कैच द रेन-2025 की शुरुआत हुई। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी आर पाटिल और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जल शक्ति अभियान: कैच द रेन-2025 का विविवत शुभारंभ किया। इसके अलावा, जल संरक्षण, जलापूर्ति योजनाओं व स्वच्छता अभियान के तहत कई परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी भी उपस्थित रही।

जिला पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी आर पाटिल और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जल संरक्षण हेतु हरियाणा के लिए मुख्यमंत्री जल संचय योजना का शुभारंभ किया। इसके अलावा, जल शक्ति अभियान: कैच द रेन-2025 के अंतर्गत जल-जंगल-जन: एक प्राकृतिक बंधन अभियान, जल संसाधन एट्लस- 2025, एकीकृत जल संसाधन कार्य योजना 2025-27, ऑनलाइन कैनाल वॉटर मैनेजमेंट सिस्टम, बेहतरीन कार्य प्रणाली जेएसए-सीटीआर का भी शुभारंभ किया गया।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी आर पाटिल और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जल शक्ति अभियान: कैच द रेन-2025 के तहत हरियाणा के जिला महेंद्रगढ़ के गांव मंडोला, दुलोठ, बदोपुर, खेड़ी, धोखेड़ा में जल संरक्षण के लिए विभिन्न कार्यों का उद्घाटन किया। इसके अलावा, जिला महेंद्रगढ़ के 400 कृत्रिम भू जल पुनर्भरण संरचनाओं का शिलान्यास भी किया गया।

इसके अतिरिक्त, जिला यमुनानगर के गाँव देवधर व बेगमपुर, जिला कैथल के गाँव जुलानी खेडा, जिला भिवानी के गाँव पहाड़ी, जिला महेंद्रगढ़ के गाँव अकोली एवं गाँव मंद्लाना में सौर शक्ति एकीकृत सूक्ष्म सिंचाई परियोजना का उद्घाटन किया गया। साथ ही, फिरोजपुर झिरका के 52 गांवों व 5 ढाणियों में जल वितरण में बढ़ोतरी के लिए रैनीवेल आधारित परियोजनाओं तथा पटौदी विधानसभा क्षेत्र के 24 गांवों व 9 ढाणियों में जल बढ़ोतरी के लिए नहर आधारित परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी आर पाटिल और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत पंचकूला में ठोस कचरा प्रबंधन के लिए 9 शेड्स, 103 सोखता गड्ढे तथा 21 सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का भी उद्घाटन किया।

जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए जल योद्धाओं को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए जल योद्धाओं को सम्मानित किया गया। प्रगतिशील किसान श्रेणी के तहत श्री राजकुमार मेहरा, कुरूक्षेत्र से प्राकृतिक खेती के लिए, श्री कुशाल नेहरा, गांव सुखपुरा, यमुनानगर से फसल विविधीकरण और श्री विकास चौधरी को तरावड़ी, करनाल से डीएसआर तकनीक के उपयोग के लिए सम्मानित किया गया।

इसी तरह जल संरक्षण में सर्वश्रेष्ठ सरपंच के लिए श्रीमती भारती, पखाल, फरीदाबाद को ड्रिप सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए, श्री रतनपाल सिंह, निरपुर राजपूत, नारनौल को तालाब के जीर्णोद्धार के लिए तथा श्री जसमेर सिंह, सुल्तानपुर, करनाल को वर्षा जल संचयन प्रणाली के लिए सम्मानित किया गया।

माता-पिता की सेवा करना ही संतान का सबसे बड़ा धर्म : राव नरबीर सिंह, कैबिनेट मंत्री

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने गांव हरचंदपुर में वृद्धाश्रम शिलान्यास समारोह में की शिरकत

समाचार गेट/संजय शर्मा

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति हमें अपने बजुर्ग माँ बाप का आदर सम्मान व देखभाल करना सिखाती है। माता-पिता की सेवा करना ईश्वर की सेवा करने के बराबर है। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते दायरे ने हमारे पारिवारिक व सामाजिक तानेबाने को विभिन्न स्तर पर प्रभावित किया है। हम सभी की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि हम अपने पारिवारिक मूल्यों को सहेजने की दिशा में आगे बढ़े व जीवन के महत्वपूर्ण पड़ाव पर अपने माता पिता का सहारा बनकर उनकी सेवा करें। कैबिनेट मंत्री शनिवार को गांव हरचंदपुर में शिओज़ व हॉर्मनी केयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित वृद्धाश्रम के शिलान्यास समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कार्यक्रम में उत्तराखंड के पूर्व सीएम श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, सोहना के विधायक श्री तेजपाल तंवर, आयोजक राहुल कुमार सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में यह कटु सत्य है कि कुछ बच्चे जीवन के अंतिम पड़ाव पर अपने माता-पिता को वृद्धाश्रम में छोड़ आते हैं, यह भूल जाते हैं कि उन्हीं माता-पिता ने उन्हें कठिन परिस्थितियों में पाल-पोसकर बड़ा किया और जीवन में सफल बनाया। उन्होंने कहा कि हमें यह समझना चाहिए कि माता-पिता हमारी जिंदगी की जड़ें हैं, और इन जड़ों को काटकर कोई भी फलदायी जीवन नहीं जी सकता। कैबिनेट मंत्री ने वृद्धजनों की देखभाल के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार अकेले रह रहे बुजुर्गों की देखभाल 'वरिष्ठ नागरिक सेवा आश्रम' योजना के तहत सेवा आश्रमों में करेंगे। रेवाड़ी में एक ऐसा आश्रम खोला जा चुका है और एक अन्य करनाल में निर्माणाधीन है। इसके अलावा, 14 जिलों में इनके लिए भूमि की पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त, वरिष्ठ नागरिक की सेवा के लिए रेड क्रास सोसायटी द्वारा पानीपत, अम्बाला व पंचकूला में ओल्ड एज होम चलाये जा रहे हैं। पंचकूला में श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड द्वारा भी ओल्ड एज होम चलाया जा रहा है। इसके अलावा, प्रदेश के 13 जिलों में जिनमें भिवानी, गुरुग्राम, हिसार, जींद, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, पंचकुला, रोहतक, रेवाड़ी, सिरसा, यमुनानगर, झज्जर और बहादुरगढ़ शामिल हैं में 14 डे-केयर सेंटर कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किए जा रहे सार्थक प्रयासों के साथ ही विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा वृद्धाश्रम की शुरुआत हर्ष का विषय है।

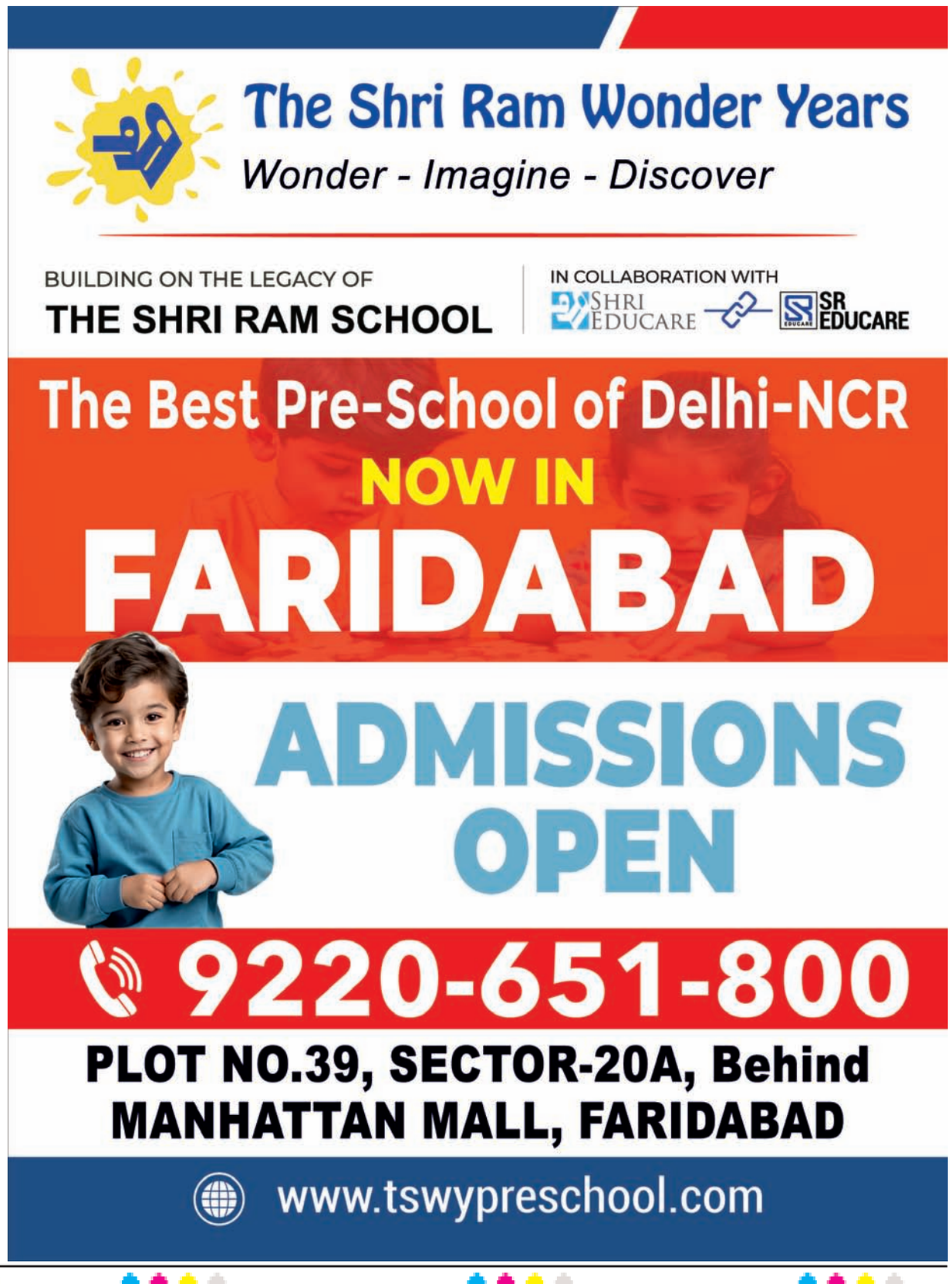

उत्तर प्रदेश समाचार

महिला का हत्यारा ऑटो ड्राइवर एनकाउंटर में ढेर

पत्नी की 1 साल पहले हो चुकी है मौत डेढ़ साल की बेटी- पापा-पापा..बुला रही

लखनऊ। में रेप के बाद हत्या करने वाले ऑटो ड्राइवर अजय कुमार द्विवेदी को शुक्रवार रात पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। पुलिस ने अजय पर दिन में ही एक लाख रुपए इनाम घोषित किया था। आरोपी की पहचान करने के लिए पुलिस ने 6 हजार CCTV खंगाले। महिला ने जो लोकेशन अपनी भाभी को भेजी थी, उसी आधार पर एरिया में एक्टिव मोबाइल नंबरों की ट्रेसिंग की। शुक्रवार की दोपहर आरोपी अजय के भाई दिनेश को पुलिस ने गिरफ्तार किया। दिनेश ने ही पुलिस को आरोपी के मलिहाबाद इलाके में छिपे होने की टिप दी। बाइक गिरी तो फायरिंग कर भागने लग क्राइम ब्रांच प्रभारी शिवानंद मिश्र ने मलिहाबाद के देवम् रेस्टोरेंट एंड लॉन के पास घेराबंदी की। रात 9:30 बजे अजय द्विवेदी बाइक से आता दिखा। जवानों ने उसे दबोचने का प्रयास किया। तभी अजय ने खेतों की तरफ बाइक मोड़ दी, लेकिन बाइक कंट्रोल नहीं कर पाया। बचने के लिए पुलिस पर फायरिंग कर भागने लगा। पुलिस की जवाबी फायरिंग में अजय को गोली लग गई। घायल होने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उसके पास से मृतक महिला का मोबाइल, एक पिस्टल, सिगरेट का पैकेट, लाइटर और कुछ पैसे बरामद हुए हैं। अजय दुबग्गा के बसंत कुंज योजना कॉलोनी में रहता था। उसके दो भाई प्राइवेट नौकरी करते हैं। एनकाउंटर में ढेर अजय द्विवेदी की पत्नी लक्ष्मी की एक साल पहले मौत हो चुकी है। चार भाइयों में वह सबसे छोटा था। उसकी डेढ़ साल की बेटी राधिका है। अजय अपनी मां लक्ष्मी देवी और तीसरे नंबर के भाई पवन के साथ रहता था। बगल में बड़ा भाई दिनेश अकेले रहता था। पुलिस ने मां को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर बॉडी ले जाने के लिए कहा था। इसके बाद मां उसके भाई पवन को लेकर वहां पहुंची। एक दूसरा भाई सुनील अपने परिवार के साथ अलग रहता है। उसका कहना है कि मुझे एनकाउंटर की जानकारी टीवी देखकर मिली। आरोपी ने महिला के साथ 18 मार्च की रात वारदात को अंजाम दिया था। महिला बनारस से इंटरव्यू देकर लखनऊ भाई के पास आई थी। वह रात 1:30 बजे आलमबाग बस स्टैंड पर उतरी। वहां से चिनहट जाने के लिए ऑटो लिया। आरोपी ने कम किराया बताकर उसे बैठा लिया। मेट्रो का होने की बात कहकर दूसरे रूट से जाने की बात में उसे उलझा लिया। फिर शहर से 35 किलोमीटर दूर मलिहाबाद में आम के बाग में ले गया। यहां पहले गहने लूटे फिर रेप के बाद मर्डर कर दिया। हालांकि पुलिस का कहना है कि महिला के साथ सिर्फ रेप का प्रयास हुआ था। बाकी चीजें मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट हो पाएंगी। डीसीपी बोले- हरदोई भाग रहा था अजय डीसीपी पश्चिम विश्वजीत ने बताया- शुक्रवार दोपहर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। दूसरा फरार था। मलिहाबाद थाना पुलिस और सेंट्रल क्राइम ब्रांच की टीम आरोपी की तलाश में दबिश दे रही थी।

संक्षिप्त डायरी

सपा के तीसरी बार जिलाध्यक्ष बने पूर्व एमएलसी राम अवध यादव

संवाददाता

सपा जिलाध्यक्ष राम अवध यादव

संवाददाता कुशीनगर। समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के द्वारा पूर्व एमएलसी राम अवध यादव को जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। कुशीनगर के सपा जिलाध्यक्ष शुकरुल्लाह अंसारी के निधन के बाद श्री यादव को पार्टी ने तीसरी बार जिलाध्यक्ष बनाया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने पूर्व एमएलसी श्री यादव को समाजवादी पार्टी जनपद कुशीनगर के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। श्री यादव के सपा पार्टी का जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर पूर्व मंत्री ब्रह्मशंकर त्रिपाठी, पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह, पूर्व सांसद बालेश्वर यादव, पूर्व विधायक पूर्णवासी देहाती, डॉ पीके राय, राजेंद्र सिंह मुन्ना, कुशीनगर विधानसभा से पार्टी प्रत्याशी रहे राजेश प्रताप राव उर्फ बंटी राव, पूर्व जिलाध्यक्ष पुरंदर प्रताप यादव, बिक्रमा यादव, शाहीद लारी, राजेश पांडेय, उग्रसेन यादव, चंद्रजीत यादव, इलियास अंसारी, डॉ परशुराम पटेल, वाजिद अली, क्लामुद्दीन अंसारी, एडवोकेट उदयभान यादव, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अमरजीत यादव, आशिक अली, हीरालाल यादव, सनौवर अंसारी, राजन शुक्ला सहित भारी संख्या में पार्टीजनों ने बधाई दी है।

30मार्च तक होगा दस दिवसीय हस्तशिल्प प्रदर्शनी

संवाददाता

संवाददाता कुशीनगर। नेशनल हैण्डी क्राफ्ट डेवलपमेन्ट प्रोग्राम के अन्तर्गगत दस दिवसीय हस्त शिल्प प्रदर्शनी एवं बिक्री केंद्र का आयोजन कुशीनगर क्रोशिया हैण्डीक्राफ्ट प्रोड्यूसर द्वारा शुक्ला मैरिज हाल पडरौना कुशीनगर में 21 मार्च से30 मार्च तक होगा । इसमें कुल 20 स्टाल के द्वारा प्रदर्शनी आयोजित किया जायेगा। जिसमे प्रवेश निःशुल्क है। जिसकी सूचना निदेशक देशदीपक दूबे ने दी है।

जाम की समस्या खत्म करने सड़कों पर निकलें अफसर

गोंडा। शहर को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए पुलिस और प्रशासन ने कमर कस ली है। नगर कोतवाली में पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल और अपर जिला अधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कई अहम फैसले लिए गए। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि सभी सवारी वाहनों के पास परमिट और जरूरी दस्तावेज होने चाहिए। इनमें रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस और बीमा शामिल हैं। ई-रिक्शा चालकों के लिए विशेष नियम बनाए गए हैं। उनके रूट तय करने के लिए चालकों के साथ अलग से मीटिंग होगी। सभी चालकों का पुलिस वेरिफिकेशन कराया जाएगा। एक सर्वे के जरिए शहर में जाम वाले प्रमुख स्थानों की पहचान की जाएगी। इसके बाद तय किया जाएगा कि ई-रिक्शा किस रास्ते पर चल सकते हैं और किस पर नहीं। ई-रिक्शा चालकों को यातायात नियमों और सुरक्षा मानकों की जानकारी दी जाएगी। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ चालान और वाहन जब्त करने की कार्रवाई होगी।गुरुनानक चौक, गुड्डू मल्ल चौराहा और जिला अस्पताल के आसपास ठेला लगाने वालों को भी निर्धारित जगह पर ही दुकान लगाने के निर्देश दिए गए हैं। नियम तोड़ने पर उन्हें नोटिस दिया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गुरुनानक चौक से जिला अस्पताल तक कोई भी एम्बुलेंस किसी भी दशा जाम में नही फसना चाहिए। सभी चिह्नित प्रमुख चौराहों पर 50 मीटर से पहले किसी भी सवारी वाहन को नहीं खड़े होने दिया जाएगा। बस और टैक्सी स्टैण्ड के संचालन में किसी प्रकार की अवैध वसूली की शिकायत न प्राप्त हो यदि इस प्रकार की कोई शिकायत आती है तो जांच करा कर उनके विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएंगी। मीटिंग के उपरांत सभी अधिकारियों द्वारा गुरुनानक चौक से महिला अस्पताल तक स्थलीय निरीक्षण किया गया और सभी स्थानीय दुकानदारों व स्थानीय वेंडर्स से अतिक्रमण हटाने तथा यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के संबंध में वार्ता की गई।

पानी बचाने को लेकर हों जागरूक तभी बचेगा पानी: अजय सिंह

संवाददाता

संवाददाता कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर के सटे बाड़ीपुल चौराहे (शामपुर हटवा) पर पानी बचाओ महासंघ द्वारा संगोष्ठी आयोजित कर जल संकट से आगाह करते हुए पानी बचाने के लिए जन जागरूकता पर जोर दिया गया।शनिवार को आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियर पिघल रहे हैं और लगातार जल दोहन से दुनिया में पानी का संकट भविष्य में खड़ा हो जाएगा। ऐसे में पानी बचाने के लिए महासंघ के आंदोलन को मजबूती की आवश्यकता है। नदी, नालों, पोखरों और कुएं आदि जल स्त्रोतों को बचाना होगा। जन समर्पण पार्टी के जिलाध्यक्ष जनार्दन सिंह ने कहा कि जल के बचाव के उपायों पर ध्यान दिया जाय। भूमि बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष गोबर्द्धन प्रसाद गोंड, अधिवक्ता विजय शुक्ला ने कहा कि जल संकट से बचाव के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करना होगा। आयोजक पानी बचाओ महा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जुआठा ने कहा कि पानी के बाजारी करण से जल का संकट बढ़ रहा है। फैक्ट्रियों, संस्थानों और गाड़ी धुलाई जैसे सेंटरों को अधिक जल दोहन से रोका नहीं गया तो आने वाले समय में पानी को लेकर युद्ध होगा। गोष्ठी की अध्यक्षता पूर्व शिक्षक नेता हरिंद्र किशोर तिवारी, संचालन विजय राज शुक्ल ने किया। इस दौरान भाजपा के क्षेत्रीय मंत्री मोहन चौहान, समाजसेवी सुधीर शाही, डॉ राघवेंद्र सिंह, वीरेंद्र गोंड, ओमप्रकाश पाण्डेय, पत्रकार आरके भट्ट, संदीप सिंह, धर्मी आजाद, पूर्व छात्र नेता दरोगा गोंड, विजय शंकर सिंह कौशिक, एडवोकेट जितेंद्र पटेल,भंते रत्नाकर, मनोज सिंह मुन्ना पटेल, रामशंकर तिवारी, संजय सिंह, संदीप सिंह आदि मौजूद थे।

तरबगंज में स्काउट्स एंड गाइड्स का विशेष प्रशिक्षण शिविर

तरबगंज। पूर्वोत्तर रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स ने कटरा स्थित राज्य प्रशिक्षण केंद्र में एक विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया। मुख्य यांत्रिक इंजीनियर राजेश अवस्थी के मार्गदर्शन में यह शिविर आयोजित किया गया। राज्य प्रशिक्षण आयुक्त गाइड अनुज रंजन और आशा शर्मा के नेतृत्व में विभिन्न स्तरों के कोर्स चलाए जा रहे हैं। इनमें स्काउट मास्टर बेसिक, स्काउट मास्टर एडवांस, रोवर लीडर एडवांस और गाइड कैप्टन बेसिक कोर्स शामिल हैं। प्रशिक्षण में कैडेट्स को कई महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी जा रही है। इनमें बीपी, व्यायाम, कैंप क्राफ्ट, स्काउट-गाइड स्किल्स, किम्स गेम्स और टूल की मीटिंग शामिल हैं। शिविर में गणेश, बीरेंद्र कुमार यादव, कमलासिनी तिवारी, सविता पांडेय, सुखदेव सिंह, जगदीश यादव, राज किशोर, प्रेमनाथ उपाध्याय, अजीत श्रीवास्तव, वंदना गुप्ता, राहुल सिंह और मनीष यादव सहित सभी कैडेट उपस्थित रहे।

एनडीए सरकार के नेतृत्व में बिहार ने एक नई दिशा पकड़ी: प्रमोद कुमार

संवाददाता

संवाददाता कुशीनगर। वर्षों तक बिहार पिछड़ेपन, बुनियादी सुविधाओं की कमी और विकास की धीमी गति से जूझता रहा। सड़कों की बदहाली, जंगलराज, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की दयनीय स्थिति ने राज्य की प्रगति पर अंकुश लगा दिया। लेकिन, एनडीए सरकार के नेतृत्व में बिहार ने एक नई दिशा पकड़ी है। इंफ्रास्ट्रक्चर में ऐतिहासिक निवेश, कनेक्टिविटी में सुधार, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार बेहतरी तथा औद्योगिक विकास को गति देकर राज्य को एक उन्नत और समृद्ध बिहार की ओर अग्रसर किया गया है। बिहार अब विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। यह बातें शनिवार को पडरौना में बेलवां चुंगी स्थित सृजन द गुरुकुल सभागार में भारतीय जनता पार्टी द्वारा बिहार दिवस पर आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत स्नेह मिलन कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए पूर्व मंत्री बिहार सरकार और विधायक प्रमोद कुमार ने कहा। सभागार में उपस्थित प्रवासी बिहारी समाज से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि आप जहाँ भी हैं, बिहार की मिट्टी से आपका नाता अटूट है। इस बिहार दिवस पर, हम आपको याद दिलाना चाहते हैं कि आप न केवल अपने प्रदेश के गौरवशाली अतीत का हिस्सा हैं, बल्कि उसके उज्ज्वल भविष्य के भी सृजनकर्ता हैं। इस बिहार दिवस पर, मैं आप सबसे दिल से एक बात कहना चाहता हूँ, आप बिहार से दूर हो सकते हैं, लेकिन बिहार आपसे कभी दूर नहीं हुआ। आपके सपनों में, आपकी बोली में, आपके संस्कारों में: हर जगह बिहार जिंदा है। जब आप अपने बच्चों को रिलिट्टी-चोखाऱ या मखाना खीर का स्वाद चखाते हैं, जब छठ के समय सूर्य को अर्घ्य देने का समय आता है, जब अपने शहर-गाँव की गलियों की याद आती है। तब आपको महसूस होता है कि बिहार सिर्फ एक जगह नहीं, एक जज्बा है, एक पहचान है। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि ऐतिहासिक धरोहरों और सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध, लोकतंत्र की जननी, ज्ञान और तप की भूमि बिहार और कुशीनगर एक दूसरे के पूरक हैं। बिहार स्थापना दिवस पर समस्त बिहारवासियों हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। बिहार भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रविप्रकाश मणि त्रिपाठी, आई टी विभाग के पूर्व प्रदेश संयोजक मुकुल सिंह, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, मदन गोविंद राव पूर्व जिलाध्यक्ष जगदम्बा सिंह, ने भी सम्बोधित किया। संचालन जिला महामंत्री व कार्यक्रम संयोजक सुदर्शन पाल ने किया। इस अवसर पर रमेश सिंह पटेल, डॉ सीमा गुप्ता, डॉ पीएन राय, डॉ वीना गुप्ता, ओपी मिश्रा, राधेश्याम गोंड, उमेश प्रधान, मनीष जायसवाल बुलबुल, सुरेन्द्र सिंह सहित बिहारी प्रवासी उपस्थित थे।

विश्व जल संरक्षण दिवस पर निर्वाण सेवा संस्थान कुशीनगर द्वारा गोष्ठी आयोजित

संवाददाता

संवाददाता कुशीनगर। विश्व जल संरक्षण दिवस पर निर्वाण सेवा संस्थान कुशीनगर द्वारा बुद्ध मार्ग कुशीनगर स्थित लिंह सन इंटरमीडिएट कॉलेज में गोष्ठी आयोजित कर जल संरक्षण को लेकर जन जागरूकता का संकल्प लिए गया। शनिवार को आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश सिंह ने जल के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि जल ही जीवन है। बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण और विकास को लेकर उद्यमी संस्थानों द्वारा भारी मात्रा में जल दोहन हो रहा है। लोग टोटियां खोलकर छोड़ देते हैं। जल स्तर लगातार गिरने से सतही और धरातलीय सुखा बढ़ रहा है। बढ़ते ताप से ग्लेशियर जल प्रदूषण से स्वच्छ जल की मांग बढ़ रही है और आपूर्ति बाधित हो रही है। इस दिवस को मनाने की यूएनओ की मंशा यही है कि आने वाले समय में जल के संकट से बचा जा सके। इसके लिए जल के स्त्रोतों को संरक्षित करने के लिए जागरूक होना होगा। भूगोल के प्रवक्ता मैनेजर सिंह ने पौधारोपण, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम पर चर्चा की ताकि जल स्तर बढ़ें। शिक्षिका अर्चना ने कहा कि घरेलू कामों में कम से कम पानी खर्च किया जाय। नीलम, मंशा मद्धेशिया, रमेश सिंह ने कहा कि भावी पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को बचाएं। अंत में बीपीजी छात्रसंघ के पूर्व महामंत्री अशोक कुमार सिंह ने सभी शिक्षकों और बच्चों को लेखनी देकर सम्मानित किया। संस्था प्रबंधक और मुंबई हाईकोर्ट के अधिवक्ता विजेंद्र कुमार राय के निर्देशन में शिक्षा, सेवा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अध्यक्षता प्रबंधक दिनेश कुमार वर्मा और संचालन कार्यक्रम आयोजक हृदया नन्द शर्मा ने किया। इस दौरान शिक्षक पुरूषोतम सिंह, ऋतिक गोंड, सूर्य प्रताप सिंह, दिलीप कुमार शर्मा, पुष्पा कुशवाहा, अपेक्षा सिंह, अर्चना गुप्ता, अंशिका पाण्डेय सहित छात्र अनिकेत सिंह, आकाश सिंह, आयुष सिंह, अमन यादव मौजूद रहे।

गोंडा में NDRF ने भूकंप से बचाया

नर्सिंग कॉलेज में मॉकड्रिल, घायलों को फर्स्ट एड देने का तरीका भी बताया

गोंडा। में आपदा से बचाव की तैयारियों को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। डीएम नेहा शर्मा के निर्देश पर 11वीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल ने एससीपीएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग हारीपुर में मॉकड्रिल का आयोजन किया। अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार की मौजूदगी में एनडीआरएफ के विशेषज्ञों ने छात्रों और स्टाफ को भूकंप से बचाव के गुर सिखाए। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग, फायर ब्रिगेड, पुलिस और आपदा प्रबंधन इकाइयों के अधिकारी मौजूद रहे। एनडीआरएफ के जवानों ने भूकंप के दौरान लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने का अभ्यास कराया। साथ ही घायलों को प्राथमिक उपचार देने की विधि भी समझाई। जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव ने ड्रॉप, कवर एंड होल्ड तकनीक के बारे में विस्तार से बताया।

पीएम मित्र पार्क के लिए 3800 करोड़ के प्रस्ताव आए' लखनऊ में इन्वेस्टर्स ने मेगा टेक्सटाइल-अपैरल पार्क की बताई प्लानिंग

लखनऊ। के ताज होटल में इन्वेस्टर्स मीट आयोजित की गई। यह मीट पीएम मित्र पार्क योजना के तहत यूपी में बनने जा रहे मेगा टेक्सटाइल और अपैरल पार्क को लेकर हुई। यह पार्क लखनऊ-हरदोई सीमा पर 1000 एकड़ में बनाया जाएगा। मीट में रकार का लुधियाना की कंपनी रमन जैन-आरआर जैन इंडस्ट्रीज से 500 करोड़ का MOU भी हुआ। मीट में पहुंचे देशभर के इन्वेस्टर्स ने उत्तर प्रदेश में टेक्सटाइल को लेकर अपनी प्लानिंग बताई। उन्होंने यह भी बताया कि यूपी में बन रहे मेगा टेक्सटाइल और अपैरल पार्क में किस तरह से कार्य किया जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि हमने यूपी में इन्वेस्टर्स के लिए सकारात्मक माहौल तैयार किया है। उत्तर प्रदेश आ रहे सभी : योगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- कई राज्यों के लोग उत्तर प्रदेश में उपभोक्ता बनकर आ रहे हैं। उत्तराखंड, बिहार, झारखंड के अलावा नेपाल के लोग भी उत्तर प्रदेश के उपभोक्ता हैं। देश में उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। सीएम ने कहा कि यूपी को मिले पीएम मित्र पार्क के लिए निवेशकों ने 3800 करोड़ रुपए के प्रस्ताव पहले ही भेज दिए। इसके लिए 80 निवेशकों ने निवेश किया। उन्हें 210 करोड़ रुपए का इंसेंटिव दिया गया। मीट में सीएम योगी के साथ मुख्य सचिव मनोज सिंह, टेक्सटाइल की बड़ी इंडस्ट्रीज के मालिक मौजूद रहे। योगी बोले- MOU की मॉनिटरिंग खुद करता हूं योगी ने कहा- 33 सेक्टोरल पॉलिसी वाला यूपी देश का पहला राज्य है। निवेश मित्र के माध्यम से 500 से ज्यादा क्लीयरेंस दिए गए। टडव की मॉनिटरिंग के लिए निवेश सारथी है। मैं खुद मॉनिटरिंग करता हूं कि टडव के बाद क्या समस्या आ रही है? उसे दूर करने पर मंथन करता हूं। सीएम योगी ने कहा- प्रदेश में आठ वर्ष पहले का समय छोड़ दें तो अब सकारात्मक माहौल है। तब काला अध्याय था। उसे हटाकर हमने सकारात्मक माहौल बनाया। अब कानून व्यवस्था अच्छी है और रोड कनेक्टिविटी भी। वस्त्र उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश का तीसरा प्रदेश : योगी योगी ने कहा- आज उत्तर प्रदेश वस्त्र उत्पादन मामले में देश में तीसरे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश पहले ही इस क्षेत्र में प्रोग्रेसिव है। उत्तर प्रदेश के अंदर 80 निवेशकों ने निवेश किया। उन्हें 210 करोड़ रुपए का इंसेंटिव दिया गया। सीएम योगी ने कहा- उत्तर प्रदेश के उस काले अध्याय को पीछे छोड़ देना चाहिए। एक समय था जब यहां निवेशकों के सामने बैरियर खड़े कर दिए गए थे। आज उत्तर प्रदेश उस काले अध्याय से ऊपर उठ गया है। सीएम योगी ने कहा- उत्तर प्रदेश में हमने कनेक्टिविटी के लिए बहुत काम किया और कर रहे हैं। यहां कानून व्यवस्था की भी कमी नहीं है। इस कारण इन्वेस्टर्स यहां आने के लिए आश्वस्त रहें। सीएम योगी ने कहा- देश में सिर्फ 7 पीएम मित्र पार्क हैं। इनमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। उत्तर प्रदेश टैक्सटाइल के बेहतरीन हब के रूप में स्थापित हो सकता है। सीएम योगी ने कहा- उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, झारखंड, नेपाल के लोग उत्तर प्रदेश आते हैं। आज के समय में भारत में सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार उत्तर प्रदेश है। MSME मंत्री राकेश सचान ने कहा- पर्यटन के क्षेत्र में आज उत्तर प्रदेश खूब आगे बढ़ रहा है। इतना भव्य और दिव्य महाकुंभ का आयोजन हुआ। आज श्रद्धालु प्रयागराज आ रहे हैं। काशी आ रहे हैं.. अयोध्या आ रहे हैं.. और अब मथुरा की भी बारी है। वहां भी श्रद्धालु आएंगे। यह सब सरकार की नीतियों के कारण ही हो रहा है। राकेश सचान ने कहा- उत्तर प्रदेश की जो पुरानी स्थिति थी वह हमें याद है। मैं कानपुर का रहने वाला हूं। वहां पर पहले टेक्सटाइल का हफ्ता मैनचेस्टर कानपुर में फेमस था जो पूरे देश में फेमस था। जेके ग्रुप में 1930 से 1970 तक काफी प्रयास किया। आज मैं प्रधानमंत्री जी का शुक्रगुजार हूं। उत्तर प्रदेश को उन्होंने पीएम मित्र पार्क दिया। यह ऐसी जगह पर स्थित है कि लखनऊ की भी दूरी ज्यादा नहीं है। हरदोई और उन्नाव के बीच में है और कानपुर से भी 100 किलोमीटर है। उत्तर प्रदेश सरकार की प्रोत्साहक नीतियों से हमारे उद्योग को बढ़ावा मिला है। अब तक हमें एक करोड़ 81 लाख के सब्सिडी प्राप्त हो चुकी है और 70 करोड़ के सब्सिडी भी मिलने वाली है। इस राशि को हमने अपने उद्योग के विकास के लिए प्रयोग किया है।

संपादकीय

योगी आदित्यनाथ ने बदली राजनीति की परिभाषा

दायित्व के अनुसार अस्थायी रूप से किसी व्यक्ति का स्थान बदल सकता है। पर, उसकी परंपरा और संस्कार नहीं बदलते। बल्कि उसके पद और दायित्व के अनुसार इनका और विस्तार ही होता है। उत्तर प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके आठ साल का सफल कार्यकाल इसका प्रमाण है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

उल्लेखनीय है कि योगी जी का गृह जनपद गोरखपुर है। यहीं उत्तर भारत की प्रमुख धार्मिक पीठों में शुमार गोरक्षपीठ है। इस पीठ को देश-दुनिया में फैले नाथपंथ का मुख्यालय माना जाता है। योगी जी मुख्यमंत्री होने के साथ इसी पीठ के पीठाधीश्वर भी हैं। इस रूप में दीक्षित योगी (संन्यासी) भी है। खुद के योगी होने पर उनको गर्व भी है। समय-समय पर सदन से लेकर सार्वजनिक सभाओं में वह इस बात को कहते भी हैं।

आठ साल पहले जब एक लंबे अंतराल के बाद उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में भाजपा को बहुमत मिला तो 19 मार्च 2017 को उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर, आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े और राजनीति के लिहाज से सर्वाधिक संवेदनशील सूबे के मुखिया का दायित्व संभाला। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उन्होंने पीठ की लोककल्याण की परंपरा और संस्कार के फलक को अपने पद के अनुसार लगातार विस्तार दिया। उन्होंने साबित किया कि जनकेंद्रित राजनीति के केंद्र में भी धर्म हो सकता है। उनके दादा गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ के समय में जिस 'हिंदू और हिंदुत्व' को प्रतिगामी माना जाता था उसे योगी ने बहस के केंद्र में ला दिया। जो पहले भगवान श्रीराम की आलोचना करते थे, उनको काल्पनिक बताते थे ऐसे लोग भी खुद को हिंदू कहलाकर गौरवान्वित महसूस करते हैं। इस तरह उन्होंने धर्म और राजनीति को लोक कल्याण का जरिया बनाकर साबित किया कि संत, समाज का वैचारिक मार्गदर्शन करने के साथ सत्ता का कुशलता से नेतृत्व भी कर सकता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ के खाते में ढेर सारी उपलबधियां दर्ज हैं। 2019 में एक प्रतिष्ठित पत्रिका के सर्वे में उनको देश का सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री माना गया।

एक इंटरव्यू में कभी योगी जी कहा था कि वह कभी हारे नहीं हैं। गोरखपुर से संसदीय चुनावों में वह अजेय रहे हैं तो पहली बार 2022 में विधानसभा चुनाव लड़कर उन्होंने अपनी अपराजेय लोकप्रियता को पुन: प्रमाणित किया।

योगी ने तमाम उपलबधियों के बीच न केवल शानदार कार्यकाल पूरा किया बल्कि सार्वजनिक जीवन में बेदाग छवि को भी बरकरार रखा है। इन आठ वर्षों के दौरान उनकी खुद की जीवनचर्या सन्यासी की ही भांति रही। सादगीपूर्ण व अनुशासित जीवनशैली में तनिक भी परिवर्तन नहीं आया है। सम्भवत: वह प्रदेश के अबतक के इकलौते मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने प्रदेश के हर जिले का कई बार दौरा करने के साथ नोएडा जाने के मिथक को भी तोड़ा है। पहले मुख्यमंत्री इस मिथक के भय से नोएडा नहीं जाते थे कि वहां जाने से सीएम की कुर्सी चली जाती है। योगी ने आधा दर्जन से अधिक बार नोएडा की यात्रा कर यह साबित किया है कि एक संत का ध्येय सिर्फ सत्ता बचाए रखना नहीं बल्कि लोक कल्याण होता है। मुख्यमंत्री बनने के बाद वह उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य बने और 2022 के विधानसभा चुनाव में एक लाख से अधिक वोटों से जीतकर और अपनी पार्टी बीजेपी को सूबे में प्रचंड बहुमत दिलाकर दोबारा मुख्यमंत्री बने।

पहले कार्यकाल में योगी का फोकस प्रदेश के बाबत देश-दुनिया में जो खराब परसेप्शन था, उसको बदलने का था। इसमें कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस जैसी नीतियां कारगर रहीं। दूसरे कार्यकाल में फोकस प्रदेश की पहचान बदलने पर रहा। अब जब उनके दूसरे कार्यकाल का तीसरा साल पूरा होने जा रहा है, यूपी नए भारत का नया उत्तर प्रदेश के रूप में सबके सामने है।

36 माह में भी पूरा नहीं सका कनीना के लघु सचिवालय का निर्माण कार्य

जनवरी में किया जाना था हैंडओवर लेकिन कार्य पूरा न होने की वजह से लटका

अधिकारियों की उदासीनता से ठेकेदार द्वारा कार्य में बरती जा रही ढिलाई

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। 'अत्यधिक ढील समयबद्ध कार्य पर भारी' ये पंक्ति कनीना में वर्ष 2022 से बनाए जा रहे लघु सचिवालय भवन पर सटीक बैठ रही हैं। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की देखरेख ठेकेदार द्वारा किए जा रहे इस कार्य को नवंबर 2024 में पूरा करने का आश्वासन दिया गया था, उसके बाद जनवरी 2025 की बात कही जाने लगी। जनवरी माह मेंकार्य पूरा नहीं होने के चलते 15 मार्च का एस्टीमेटिड समय दिया गया। कहने का भाव प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा दी जा रही ढील कार्य पर भारी पड रही है। नवनिर्मित लघु सचिवालय भवन का निर्माण कार्य कछुआ गति से होने के कारण इंटीरियर-फिटिंग का कार्य कितने समय में पूरा होगा। इसे लेकर अधिकारी कुछ बताने की जुगत में नहीं हैं। बता दें कि तत्कालीन एसडीएम सुरेंद्र सिंह की ओर से बार-बार भवन का निरीक्षण कर ठेकेदार को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए जाते रहे थे। जिसके चलते जनवरी माह के पहले सप्ताह में भवन हैंडओवर करने की बात कही जा रही थी। ठेकेदार ने भी इस नियत अवधि में कार्य पूरा करने का आश्वासन दिया था। ढिलाई के चलते कार्य लंबित है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के तत्कालीन सीएम मनोहर लाल ने वर्ष 2015 में कनीना महाविद्यालय प्रांगण में आयोजित जनसभा में इसके बजट अलाट करने करने की घोषणा की थी। 2019 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद विधायक सीताराम यादव,अभय सिंह व केंद्रीय वजीर राव इंद्रजीत सिंह एवं हाईकोर्ट के न्यायधीश की उपस्थिति में 23 मार्च 2022 को इसका शिलान्यास किया गया था। 18 माह में भवन के तैयार होने की बात कही जा रही थी। लेकिन 36 माह का समय बीतने के बाद भी कार्य लटका हुआ है।

इधर उपमंडल स्तरीय न्यायालय भवन का निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं हो सका है। बिना उचित भवन के कनीना में संचालित दो नियमित एवं एक साप्ताहिक कोर्ट भी जैसे-तैसे काम चला रही हैं। अधिवक्ता भी गर्मी-सर्दी एवं बारिश में टीनशैड के नीचे बैठकर कार्य करने को मजबूर हैं। बहरहाल लघु सचिवालय का कार्य पूरा होने के बाद आमजन को सुविधा मिलने की उम्मीद है। अटेली हलके की नवनिर्वाचित विधायक एवं प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव द्वारा भवन का उद्घाटन किया जायेगा। एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि निर्माण कर रही कम्पनी को दरवाजे, खिडकी, बिजली-पानी, फिटिंग, रंग-पेंट व फर्नीचर के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण का कार्य पूरा होने पर एसडीएम कार्यालय सहित अन्य उपमंडल स्तरीय कार्यालय नए भवन में संचालित होगें।

पानीपत में हुआ दावत-ए-इफ्तार का आयोजन, भाजपा नेता चौधरी जाकिर हुसैन रहे मुख्य अतिथि

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। शनिवार को पानीपत में दरगाह शरीफ पर मेहराज शाबरी व समस्त मुस्लिम समाज द्वारा दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं हरियाणा वक्फ़ बोर्ड के प्रशासक चौधरी ज़ाकिर हुसैन रहे तथा विशिष्ट अतिथि प्रदेश महामंत्री डॉश अर्चना गुप्ता, मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस एम अकरम, सूफी संवाद के राष्ट्रीय प्रभारी डॉश असलम व भाजपा मेयर कोमल सैनी, मेयर पति दिनेश सैनी, पार्षद अशोक कटारिया, पार्षद नवल जिंदल, पार्षद अमित नारंग, पार्षद रॉकी गहलोत आदि रहे। दावत-ए-इफ्तार में काफी संख्या में सभी धर्म-मज़हब के लोगों ने हिस्सा लेकर हिंदू-मुस्लिम, सिख-ईसाई सर्व धर्म के आपसी भाईचारे व अमन-चैन का संदेश दिया।

इस अवसर पर प्रमुख उलेमाओं, मौलानाओं व लोगों ने देश-प्रदेश में अमन-चैन व भाईचारे तथा उन्नति के लिए दुआएँ माँगी। दावत-ए-इफ्तार में पंहुचनें पर चौधरी ज़ाकिर हुसैन व सभी अतिथियों का प्रमुख लोगों ने फूलमालाओं, पुष्प वर्षा व शॉल भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया।

चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने कहा कि मुस्लिम समाज द्वारा इस भव्य दावत-ए-इफ्तार का आयोजन कर एक सराहनीय कदम उठाया है। दावत-ए-इफ्तार से आपसी सौहार्द और भाईचारा बढता है। आज दावत-ए-इफ्तार में सभी मज़हबों के लोगों ने भारी संख्या में हिस्सा लेकर आपसी भाईचारे व प्रेम की मिसाल कायम की है। हमें ज्यादा से ज्यादा दावत-ए-इफ्तारों में हिस्सा लेना चाहिए, जिससे आपसी भाईचारा बढे। उन्होंने कहा कि गरीब, मजलूम, जरूरतमंद व बेसहाराओं की ज्यादा से ज्यादा मदद करें, ये सबसे बड़ा कार्य है। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना बरकतों, रहमतों व ईबादतों का महीना है। इस पाक महीने में हमें मजलूमों, बेसहारा और जरूरतमंदों की ज्यादा से ज्यादा मदद करनी चाहिए। रोजा पूरे दिन भूखा और प्यासा रहकर जरूरतमंद लोगों की मदद करने का नाम है। दावत-ए-इफ्तार से हिंदू-मुस्लिम सिख-ईसाई सभी मज़हबों में एकता व आपसी भाईचारा पैदा होता है। इस दावत-ए-इफ्तार में सभी मज़हबों के लोगों ने हिस्सा लेकर हमारे देश की गंगा जमुना तहजीब की मिसाल दी है, इसके लिए वे सभी शहरवासियों को मुबारक़बाद देते हैं।

ज़ाकिर हुसैन ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश का समान विकास किया है तथा उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी पूरे प्रदेश को विकास की नई ऊंचाईयों पर ले जाने का कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से सिकंदर सलमानी, वाजिद अली , इरफान अली , राशिद प्रधान, नदीम प्रधान , प्राण रत्नागर, शिव , पप्पू , हारून आदि के अलावा सैंकडों मौजिजान व रोजेदार मौजूद रहे।

विद्यार्थियों के बौद्धिक ओर व्यक्तित्व विकास को लेकर संगोष्ठी का आयोजन

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना स्थित पीकेएस राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास को लेकर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि वर्तमान युग प्रतिस्पर्धा का युग है। इस दौर में सफल नागरिक बनने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अत्यंत आवश्यक है। व्यक्तित्व विकास को लेकर उन्होंने विद्यार्थियों के सामने प्रेरणात्मक प्रश्न भी रखे। जिसके सकारात्मक पहलुओं पर फोकस किया गया। डॉ. कांता यादव ने देश की राजनीति एवं समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों को जानकारी दी। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में राजनीति से जुड़े प्रश्नों को हल करने की प्रभावी विधि भी समझाई। प्रो. हरिओम भारद्वाज ने विद्यार्थियों को आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि देश के नागरिक ज्ञान और तथ्यात्मक रूप से समृद्ध होंगे, तो राष्ट्र प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। उन्होंने भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को माता-पिता, गुरुजनों एवं समाज के वरिष्ठ जनों का सम्मान करने का संदेश दिया। तननिकी के क्षेत्र में विद्यार्थियों को जानकारी होना जरूरी है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ-साथ आत्मविश्वास एवं संप्रेषण कौशल को मजबूत करने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को प्रतिदिन नया सीखने का संकल्प लेना चाहिए, जिससे उनका बौद्धिक एवं नैतिक विकास होगा। प्राचार्य ने कहा कि कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित न रहने वाले विद्यार्थियों का नाम काट दिया जाएगा तथा उन्हें वार्षिक परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस मौके पर यतेंद्र सिंह, बलराज, अनिल कुमार, नीरज, सुरेंद्र सिंह, महेश कुमार, छोटेलाल, संदीप, आहिस्ता सोनी, दीपक, चेतन प्रकाश, अजय प्रकाश, कैलाश उपस्थित थे।

5 वर्ष के प्रत्येक बच्चे का दाखिला सरकारी स्कूल के बाल वाटिका में करवाएं : कुसुम मलिक

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिले को जीरो ड्रॉपआउट बनाने के लिए और अभिभावकों को शिक्षा के लिए जागरूक करने के लिए जिला एफ एल एन कोऑर्डिनेटर कुसुम मलिक, राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय के मुख्य अध्यापक किशोर कुमार ज्वालिया और विज्ञान अध्यापिका ने फिरोजपुर झिरका खंड के वार्ड ढौंड कलां में विशेष अभियान की शुरुआत की।

कुसुम मलिक ने कहा की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के लिए निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत प्रत्येक सरकारी स्कूल में बाल वाटिका 3 में 1 अप्रैल को 5 वर्ष पूरे करने वाले प्रत्येक बच्चे का दाखिला करवाएं। इसके लिए सरकार के द्वारा स्कूलों के अंदर विशेष सुविधाएं दी गई है। स्कूलों में प्रिंट रिच वातावरण, प्रशिक्षित और उच्चतर शिक्षा प्राप्त अध्यापक गण, खेल-खेल में शिक्षा, विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में जीवन कौशलों का विकास किया जा रहा है ।सरकारी स्कूलों में गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा को सुनिश्चित करना सरकार की उच्च प्राथमिकता है इसलिए ज्यादा से ज्यादा बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूलों की बाल वाटिका 3 में करवाया जाए ताकि प्रत्येक बच्चा बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान में निपुण हो सके। यदि शुरुआत से ही बच्चे पर ध्यान दिया जाएगा और उसे अच्छा वातावरण दिया जाएगा तो हम नुहू जिले को और पूरे राज्य को जीरो ड्रॉप आउट बना पाएंगे।

इसके लिए शिक्षकों के साथ साथ अभिभावकों, ग्राम पंचायत सदस्यों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं सामाजिक संस्थाओं और समुदाय के सभी लोगों को मिलकर एक साथ आगे आना होगा । इसके साथ-साथ कक्षा 1 से कक्षा 5 में भी सभी बच्चों का दाखिला करवाया जाए यदि कोई बच्चा छोटा हुआ है तो और पांचवी के प्रत्येक बच्चे का दाखिला पास के ही स्कूल में छठी कक्षा में करवाया जाए।

इस मौके पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक दिनेश सुरेश और आसपास के अभिभावकों को का सहयोग रहा सभी ने आसपास चुन लिया कि हम आसपास के सभी बच्चों का जिन्होंने 5 वर्ष की आयु पूरी कर ली है उन्हें बाल वाटिका में दाखिला दिलवाएंगे इसके साथ ही पांचवी कक्षा की प्रत्येक बच्चे और बच्चे का दाखिला छठी कक्षा में करवाएंगे साथ-साथ उन्हें भेजना विश्व निश्चित करेंगे उन्होंने बताया कि यहां से मिडिल स्कूल ज्यादा दूर है जिस कारण बहुत सी बच्चियां धीरे धीरे स्कूल जाना छोड़ देती है इसलिए बच्चों के लिए बालिका वाहिनी का रूट प्रदान किया जाए। जिला एफ एल एन कोऑर्डिनेटर ने कहा कि वो प्रश्न के साथ मिलकर इसे समय पर नित्यमानुसार लागू करवाएंगी। उन्होंने कहा कि जिला उपायुक्त का मुख्य फोकस नूंह जिले में शिक्षा को बेहतर बनाना है।

पानी की बर्बादी रोकने को हर नल पर लगाएं टूंटी : नरेंद्र भारद्वाज

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में खंड के गांवों जौरासी और कालरपुरी में जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन के अधिकारियों ने ग्रामीणों व स्कूली बच्चों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। गांव जौरासी के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन ने जहां जल संरक्षण को लेकर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया, वहीं रैली और जल चौपाल के माध्यम से समस्त नूंह जिले के निवासियों से पानी की बर्बादी को रोकने के लिए हर घर में लगे नल पर टूंटी लगाने का आह्वान किया। चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों व ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में जौरासी गांव के सभी विद्यालयों से विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्राथमिक विंग से प्रथम प्रियांशी, दूसरा स्थान मयंक व तीसरा स्थान ग्रेहा ने प्राप्त किया, मिडल विंग से प्रथम स्थान प्रियंका, दूसरा स्थान नेहा व तीसरा स्थान रितिका और वरिष्ठ माध्यमिक विंग से प्रथम स्वीटी व सोनिया दूसरे स्थान पर रहीं। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के अलावा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को भी सर्टिफिकेट दिए गए। इसके अलावा सभी विंग से 10 अन्य विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। इसके साथ-साथ तावडू खंड के गांव कालरपुरी में भी विश्व जल दिवस के अवसर पर रैली और जल चौपाल का आयोजन किया गया।

विश्व जल दिवस के अवसर पर जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन के जिला सलाहकार नरेंद्र भारद्वाज ने बच्चों व ग्रामीणों से अपील की कि ग्रामीणों को अपने-अपने घरों में लगे नलों पर टूटियां लगानी सुनिश्चित करनी चाहिए। अगर हर नल पर टूंटी लगी हो तो कई हजार लीटर पानी को बर्बाद होने से बचाया जा सकता है। खंड संयोजक संदीप शर्मा ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों को पानी से संबंधित समस्या के समाधान के लिए टोल फ्री नंबर 18001805678 पर अधिकतम कॉल करने की सलाह दी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरपंच प्रतिनिधि अनिल के अलावा प्राचार्य जगराम, खंड समन्वयक मोहम्मद जैकम व हरिओम जांगडा, मास्टर सुरेंद्र सिंह, एबीआरसी नरसी, अध्यापिकाएं वंदना, हरवती, रीना, प्राइमरी हेड अतुल, सुमन, जयप्रकाश, रितु, मोहिना, कृष्णप्रकाश, पीरामल फाउंडेशन से ऋषिपाल और ग्रामीण उपस्थित रहे।

भगवान आदिनाथ का एक सूत्र कृषि करो या ऋषि बनो: रजत जैन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। तीर्थंकर भगवान ऋषभ नाथ जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर है जिन्हे आदिनाथ भी कहा जाता है। जिनका जन्म मिति चैत्र कृष्ण नोवीं को अयोध्या के राजा नाभिराय व माता मरु देवी के घर हुआ। सर्वजातीय सेवा समिति के उपाध्यक्ष व समाजसेवी रजत जैन ने उक्त जानकारी देते हुए बताया की भगवान आदिनाथ की आयु 84 लाख पूर्व,व ऊँचाई लगभग 500 धनुष (लगभग2000 मीटर)की थी।उन्होंने लगभग एक लाख वर्ष तक तप किया।रजत ने बताया की लगभग एक वर्ष तक तीर्थंकर आदिनाथ निराहार रहे।अक्षय तृतीया के दिन हस्तिनापुर में राजा श्रेयांस ने उन्हें गन्ने का रस प्रदान किया ओर उन्होंने अपना उपवास खोला।जैन ने बताया की तीर्थंकर आदिनाथ ने ब्रह्मलिपि (भाषा) असि (सैनिक कार्य)मसी (लेखन कार्य) विद्या शिल्प (विविध वस्तुओं का निर्माण)ओर वाणिज्य(व्यापार)के लिए प्ररित किया।72 कलाओ का ज्ञान भी सृष्टि को दिया।इससे पूर्व कल्पवृक्षो से जरूरतें पूर्ण हो जाती थीं।उन्होंने अहिंसा का ज्ञान भी सृष्टि को दिया। रजत ने बताया की संपूर्ण आर्य खण्ड में लगभग 99हजार वर्ष तक धर्म विहार किया।जब उनकी आयु के 14 दिन शेष रह गये तो कैलाश पर्वत जाकर समाधि में लीन हो गये।शुभतिथि माघ कृष्ण चतुर्दशी के दिन निर्वाण अर्थात मोक्षपद प्राप्त किया।उन्होंने सृष्टि को आत्मा का ज्ञान दिया।उनका एक सूत्र कृषि करो या ऋषि बनो।

स्कूल व्हाट्सएप ग्रुप में अश्लील चैट करने वाले एक आरोपी को अदालत ने सुनाई पांच साल की सजा

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। स्कूली बच्चों की ऑनलाइन कक्षा के दौरान व्हाट्सएप ग्रुप में अश्लील तस्वीरें शेयर करने के मामले में अदालत ने दोषी को कड़ी सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नीरू कंबोज की विशेष पोक्सो अदालत ने आरोपी को पांच साल कैद और 13 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। यह मामला जनवरी 2022 का है, जब आरोपी ने स्कूल की ऑनलाइन क्लास के दौरान आपत्तिजनक हरकत की थी। गौरतलब है कि 27 जनवरी 2022 को एक स्कूल की व्हाट्सएप ग्रुप में ऑनलाइन कक्षा चल रही थी। आरोपी ने क्लास में जुड़ने के लिए रिक्वेस्ट भेजी। अध्यापिका ने उसे किसी छात्र का अभिभावक समझकर ग्रुप में जोड़ लिया। कुछ देर बाद ही आरोपी ने अश्लील तस्वीरें शेयर कीं और अध्यापिका से भी अश्लील चैट करने लगा। घटना की जानकारी मिलते ही प्रधानाचार्य और स्कूल प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई की। अध्यापिका ने महिला थाना नूंह में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर आइटी एक्ट और पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

ध्यानार्थ:

हिन्दी दैनिक समाचार गेट एंव city24news.in द्वारा कवरेज की गई आपकी खबरों को आप यहां नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके भी देख सकते हैं।

अगर आप हिन्दी दैनिक समाचार गेट की प्रिंट कॉपी लेना चाहते हैं तो आप फरीदाबाद ओल्ड रेड लाइट पर न्यूज पेपर स्टॉल से एंव गोपाल न्यूज पेपर एजेंसी अंबेडकर चौक बल्लभगढ से प्राप्त कर सकते हैं।

न्यूज पोर्टल पर देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
https://city24news.in/

फेसबुक पर देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
https://www.facebook.com/city24news.in

ई-पेपर देखने के लिए इस लिंक पर देखें
https://city24news.in/e-paper

आप अपनी खबर अथवा सूचना भेजने के लिए
samachargate@gmail.com
या 9818180269 पर भी भेज सकते हैं।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में 28 अप्रैल को हो सकते हैं चुनाव, प्रधानमंत्री कार्नी जल्द घोषणा करेंगे

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में अगला चुनाव 28 अप्रैल को हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक

कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी 23 मार्च को देश में चुनाव कराने की घोषणा कर सकते हैं। बीते 9 मार्च को कार्नी ने पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो की जगह ली थी। पड़ोसी देश अमेरिका के साथ कनाडा के रिश्तों में तनाव पर लगातार सुर्खियों में है। कनाडा के बिजनेस अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर से जूझ रहे हैं। ऐसे में दो बार केंद्रीय बैंक के गवर्नर रह चुके कार्नी से यह उम्मीद की जा रही है कि वे डोनाल्ड ट्रम्प का मुकाबला करने के लिए स्वयं को सबसे उपयुक्त उम्मीदवार के रूप में पेश करेंगे।

बांग्लादेश में शेख हसीना की पार्टी को बैन नहीं करेगी यूनुस सरकार

ढाका, एजेंसी। मोहम्मद यूनुस ने कहा है कि शेख हसीना की पार्टी बांग्लादेश अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की अंतरिम सरकार की कोई योजना नहीं है। लेकिन उन्होंने कहा कि हत्या और मानवता के खिलाफ अपराधों में शामिल लोगों को देश की अदालतों में मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। हसीना को भी इसका सामना करना पड़ेगा। मोहम्मद यूनूस के मीडिया विभाग ने गुरुवार को एक बयान में यह बात कही है। इसमें यह भी कहा गया कि देश में चुनाव की तारीख में कोई बदलाव नहीं होगा। इससे पहले यूनुस सरकार दिसंबर 2025 या फिर जनवरी 2026 में चुनाव कराने का ऐलान कर चुकी है।

फ्रांस ने अपने नागरिकों से तुरंत ईरान छोड़ने की अपील की, कहा- वहां वे गिरफ्तार हो सकते हैं

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस ने अपने नागरिकों से ईरान को तुरंत छोड़ने की अपील की है। फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को फ्रेंच नागरिक ओलिवियर ग्रोंडेउ की रिहाई के बाद यह चेतावनी जारी की। ग्रोंडेउ 880 दिनों से अधिक समय से ईरान में कैद था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता क्रिस्टोफ लेमोइन ने कहा कि फ्रेंच नागरिकों को बिना किसी वजह के हिरासत में लिए जाने का खतरा है। उन्होंने कहा, हमारे नागरिकों को केवल इसलिए गिरफ्तार किया जा सकता है क्योंकि वे फ्रांसीसी या यूरोपीय नागरिक हैं।

न्यूयॉर्क में पत्रकार मसीह अलीनेजाद की हत्या की साजिश में दो लोग दोषी करार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर में एक जूरी ने दो लोगों को ईरानी अमेरिकी पत्रकार मसीह अलीनेजाद की हत्या की साजिश रचने का दोषी ठहराया है। अभियोजकों ने बताया कि यह हत्या की साजिश ईरानी सरकार द्वारा वित्तपोषित थी। गुरुवार को न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत में यह फैसला सुनाया गया, जो दो सप्ताह तक चले मुकदमे का अंत था। इस मुकदमे में मसीह अलीनेजाद की गवाही भी शामिल थी, जो वॉयस ऑफ अमेरिका की लेखिका, कार्यकर्ता और योगदानकर्ता हैं। अभियोग के अनुसार, दोषी ठहराए गए दोनों व्यक्ति रफत अमीरोव और पोलाड ओमारोव, रूस के एक गिरोह से जुड़े हुए थे और इन दोनों ने मिलकर पत्रकार की हत्या करने की साजिश रची थी। हालांकि, उनके वकीलों ने इस आरोप को नकारते हुए कहा कि वे निर्दोष हैं और मुकदमे में पेश किए गए सबूत सही नहीं थे।

अफगानिस्तान में 4.9 तीव्रता का भूकंप

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में शुक्रवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, शुक्रवार को अफगानिस्तान में 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। यह भूकंप 160 किलोमीटर की गहराई पर महसूस किया गया। एनसीएस ने अपने आधिकारिक पोस्ट में बताया कि भूकंप 21 मार्च, 2025 को सुबह 1:00 बजे हुआ। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में 36.48ए उत्तरी अक्षांश और 71.45ए पूर्वी देशांतर पर था। बता दें कि इससे पहले 13 मार्च को भी अफगानिस्तान में एक और भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता 4.0 थी। यह भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था, जिससे इसे आफ्टरशॉक (बाद का भूकंप) का खतरा था। एनसीएस के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र 36.69ए उत्तरी अक्षांश और 69.70ए पूर्वी देशांतर पर था।

बांग्लादेश में बीएनपी के छात्र नेता की गुटीय झड़प में मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की छात्र शाखा जातीयतावादी छात्र दल (जेसीडी) के एक स्थानीय नेता की गुटीय झड़प में गंभीर रूप से घायल होने के बाद मौत हो गई। 27 वर्षीय मोहम्मद राशिद, जो जेसीडी की यूनियन-स्तरीय समिति के पूर्व महासचिव थे, बुधवार सुबह ढाका के दक्षिण सकुचिया संघ के वार्ड-9 स्थित नूरुद्दीन बाजार में हुई झड़प में गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

उत्तर कोरिया ने नई विमानभेदी मिसाइलों का किया परीक्षण

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को नई विमान भेदी मिसाइलों का परीक्षण किया। उसकी सेना ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास को लेकर उनके खिलाफ गंभीर कदम उठाने की धमकी दी है। उत्तर कोरिया ने अपने परीक्षण को आक्रमण का पूर्वाभ्यास बताया है। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि उनके नेता किम जोंग उन ने गुरुवार को परीक्षणों की निगरानी की और कहा कि ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के लिए एक और प्रमुख रक्षा हथियार प्रणाली हैं।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने समाप्त किया 11 दिन का प्रशिक्षण मिसाइल प्रक्षेपण, इस वर्ष उत्तर कोरिया की छठी हथियार परीक्षण गतिविधि, उसी दिन हुई जिस दिन अमेरिका और दक्षिण कोरियाई सेनाओं ने अपना वार्षिक फ्रीडम शील्ड कमांड पोस्ट अभ्यास समाप्त किया। 11 दिवसीय प्रशिक्षण जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उद्घाटन के बाद से सहयोगियों का पहला प्रमुख संयुक्त सैन्य अभ्यास था। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के अधिकारी अपने संयुक्त सैन्य अभ्यास को रक्षात्मक प्रकृति का बताते हैं, लेकिन उत्तर कोरिया इसे एक बड़ा सुरक्षा खतरा मानता है। 10 मार्च को इस

साल के फ्रीडम शील्ड प्रशिक्षण के शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद उत्तर कोरिया ने समुद्र में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

शुक्रवार को उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने आरोप लगाया कि हाल ही में अमेरिका-दक्षिण कोरिया के बीच हुए अभ्यास में उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों को हटाने के लिए भूमिगत सुरंगों को नष्ट करने की कोशिश की गई। मंत्रालय के एक अज्ञात प्रवक्ता ने कहा कि अगर अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने फिर से इसी तरह की भड़काऊ कार्रवाई की तो उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर उत्तर कोरिया की बयानबाजी शुरू केसीएनए में प्रकाशित एक बयान में प्रवक्ता ने कहा, अमेरिका और दक्षिण कोरिया के लापरवाह सैन्य कदम, इस दिवास्वप्न से ग्रसित हैं कि वे एक परमाणु हथियार संपन्न राज्य की संप्रभुता और सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं, निस्संदेह सबसे गंभीर परिणाम ला सकते हैं, जो वे नहीं चाहते हैं। आरओके कोरिया गणराज्य है, जो दक्षिण कोरिया का आधिकारिक नाम है। जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सेनाएं बड़े अभ्यास करती हैं, तो उत्तर कोरिया अक्सर युद्ध जैसी बयानबाजी और हमलों की धमकियां देता है। ट्रंप ने कहा है कि वह अपनी कूटनीति को पुनर्जीवित करने के लिए किम से संपर्क करने को तैयार हैं, लेकिन उत्तर कोरिया ने ट्रंप के प्रस्ताव पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। कई विशेषज्ञों का कहना है कि किम, जो अब यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध प्रयासों के समर्थन में व्यस्त हैं, संभवतः ट्रंप के प्रस्ताव को जल्द ही स्वीकार नहीं करेंगे, लेकिन युद्ध समाप्त होने पर वे इस पर गंभीरता से विचार कर सकते हैं। उत्तर कोरिया के संभावित परमाणु निरस्त्रीकरण पर चर्चा करने के लिए किम और ट्रम्प ने 2018-19 में तीन बार मुलाकात की, लेकिन उत्तर कोरिया पर अमेरिका के नेतृत्व वाले आर्थिक प्रतिबंधों पर विवाद के कारण अंततः उनकी कूटनीति टूट गई।

अमेरिकी हत्यारे को 20 साल बाद सुई से सजा-ए-मौत; घर में घुसकर ली थी महिला की जान

मैकएलेस्टर , एजेंसी। अमेरिका के ओक्लाहोमा में 20 साल पुराने डकैती और हत्या के एक मामले में वेंडेल ग्रिसोम नाम के एक व्यक्ति को मौत के सजा के तहत इंजेक्शन देकर मृत घोषित किया गया। बता दें कि 56 वर्षीय वेंडेल ग्रिसोम और उसके सहयोगी जेसी फ्लॉयड जॉन्स को एम्बर मैथ्यूज की हत्या और ड्रेउ कोपफ को घायल करने के मामले में दोषी ठहराया गया था। इसके बाद कोर्ट ने वेंडल ग्रिसोम को मौत की सजा सुनाई थी। साथ ही जॉन्स को पैरोल के बिना जेल में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

अब पूरे मामले पर एक नजर : मीडिया रिपोर्ट की माने तो आज से 20 साल पहले ग्रिसम और जॉन्स ने एक डकैती करने की योजना बनाई। दोनों ने बेतरतीब ढंग से वाटोंगा के पास कोपफ के घर को चुना, जहां एम्बर मैथ्यूज नामक महिला अपने बच्चों से मिलने गई थी। डकैती के दौरान उन्होंने मैथ्यूज को सिर में दो गोली मारी, जिससे उसकी मौत हो गई, जबकि कोपफ नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ लेकिन वह भागकर मदद के लिए गया। दोनों आरोपियों ने एक चोरी की गाड़ी से भागने की कोशिश की, लेकिन जल्दी ही वे पकड़े गए। मैथ्यूज की मौत हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाते समय हुई।

क्षमादान याचिका की गई थी अस्वीकार : हालांकि मौत की सजा का एलान होने के बाद ग्रिसम के वकीलों ने कहा कि वो मानसिक रूप से बीमार था, जो कि पहले अदालत में पेश नहीं की गई थी, लेकिन राज्य के क्षमादान बोर्ड ने उसकी याचिका को अस्वीकार कर दिया।

अमेरिका में इस सप्ताह तीन अपराधियों को मिली मौत : मीडिया रिपोर्टस के अनुसार इस सप्ताह अमेरिका में तीन अन्य आरोपियों को सजाए-मौत हुई। जहां लुइसियाना में 15 साल के बाद पहली बार नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल करके एक व्यक्ति को मौत की सजा दी गई। इसके बाद, एक व्यक्ति को अपनी प्रेमिका के पूर्व पति का अपहरण और हत्या करने के अपराध में बुधवार को घातक इंजेक्शन दिया गया। साथ ही फ्लोरिडा में गुरुवार को एक और व्यक्ति को घातक इंजेक्शन दिए जाने की योजना थी।

लंदन में 24 घंटे के लिए बंद हुआ हीथ्रो एयरपोर्ट, पावर सबस्टेशन में आग लगने से बिजली आपूर्ति में दिक्कत

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में हीथ्रो एयरपोर्ट शुक्रवार को बंद रहेगा। एयरपोर्ट के पास एक इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन में आग लगने की वजह से ऐसा किया गया है। आग लगने की वजह से एयरपोर्ट को बिजली की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। आग वेस्ट लंदन के हेस में लगी है। इस वजह से 16 हजार से ज्यादा घरों की बिजली गुल है। करीब 150 लोगों को यहां से सुरक्षित निकाला गया है। लंदन फायर ब्रिगेड ने कहा कि वे आग पर काबू पाने में जुटे हैं। इसके लिए 70 फायर फाइटर्स तैनात हैं। आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है। हीथ्रो एयरपोर्ट ने बयान जारी कर यात्रियों से एयरपोर्ट पर न आने की अपील की है। हीथ्रो ब्रिटेन का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। यहां पर हर दिन लगभग 1,300 लैंडिंग और टेक-ऑफ होते हैं। पिछले साल यहां से 8 करोड़ 30 लाख यात्रियों ने फ्लाइट पकड़ी थी।

ट्रम्प के खिलाफ आदेश देने वाले जजों को ऑनलाइन धमकी

दहशत में अमेरिकी जस्टिस ; जज विरोधी नेताओं को फंडिंग कर रहे मस्क

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी जजों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की धमकी देते थे। अब ट्रम्प के राष्ट्रपति की कुर्सी संभालने के बाद उनके आदेशों के खिलाफ फैसला सुनाने वाले अमेरिकी जजों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। दरअसल, अमेरिका के कई फेडरल जजों को डर है कि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों को चुनौती देने वाले उच्च-स्तरीय मामलों की देखरेख करने वालों के विरुद्ध ऑनलाइन धमकियां वास्तविक दुनिया में हिंसा का कारण बन सकती हैं।

ट्रम्प ने खिलाफ फैसला सुनाने वाले जज के खिलाफ महाभियोग की मांग की : राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रम्प के कार्यकारी आदेशों के खिलाफ सुनवाई करने वाले जजों और इलॉन मस्क के डीओजीई के आदेश के बाद नौकरी से हटाए गए अधिकारियों से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाले फेडरल जजों के खिलाफ सोशल मीडिया पर धमकियों की बाढ़ आ गई है। हाल ही में, राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक संघीय जज के खिलाफ महाभियोग की मांग की, जिसने उनके प्रशासन के खिलाफ फैसला सुनाया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर जज के खिलाफ धमकियों तेज हो गईं। इनमें जज को हथकड़ी लगाकर ले जाते हुए दिखाए गए चित्र भी शामिल थे।

जजों पर महाभियोग का समर्थन करने वालों को मस्क ने भारी डोनेशन दिया : मस्क ने उन रिपब्लिकन सासंदों को ज्यादा दान दिया है, जो राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ फैसले देने वाले फेडरल

जजों पर महाभियोग चलाने का समर्थन करते हैं। मस्क ने 7 रिपब्लिकन अभियानों को 5.41 लाख रुपए का कानूनी अधिकतम दान दिया। इनमें एरिजोना के एली क्रेन, कोलोराडो की लॉरेन बोएबर्ट, टेनेसी के एंडी ओगल्स, जॉर्जिया के एंड्रयू क्लाइड, विस्कॉन्सिन के डेरिक वैन ऑर्डेन और टेक्सास के ब्रैंडन गिल शामिल हैं। पिज्जा, पार्सल और गुमनाम कॉल के जरिए जजों को धमकी जजों के खिलाफ धमकियां कोई नई बात नहीं हैं, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी संख्या बढ़ी है। बम की धमकी, घर के पते पर पुलिस की स्वाट टीमों को भेजने के लिए गुमनाम कॉल, पिज्जा की डिलीवरी के जरिए जजों को धमकियां मिल रही है। ट्रम्प प्रशासन के खिलाफ केस की सुनवाई कर रहे एक जज ने कहा कि धमकाने वाले जानते हैं कि आप और आपके परिवार के सदस्य कहां रहते हैं। इससे हिंसा की आशंका बढ़ रही हैं। न्यूजर्सी जिले के अमेरिकी जिला कोर्ट की जज एस्तेर सालास का कहना है, मुझे ऐसा लगता है कि लोग हमारे जीवन के साथ रूसी रूले खेल रहे हैं। बता दें कि जज एस्तेर के 20 वर्षीय बेटे को 2020 में उनके घर पर एक स्व-घोषित नारीवाद विरोधी वकील ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है। मैं अपने नेताओं से विनती करती हूं कि वे समझें कि यहां लोगों की जान दांव पर लगी है। चार्ल्सटन में सुप्रीम कोर्ट की जज एमी कोनी बैरेट को धमकी मिली थी कि उनके मेलबॉक्स में बम है।

रिपोर्ट में दावा- चीन के खिलाफ युद्ध की खुफिया रणनीति मस्क के साथ साझा करेगा पेंटागन; ट्रंप ने किया खंडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया है कि अमेरिका का रक्षा विभाग पेंटागन चीन के खिलाफ युद्ध की खुफिया रणनीति अरबपति कारोबारी एलन मस्क के साथ साझा करेगा। ट्रंप ने इस खबर को झूठ बताया है। दरअसल अमेरिकी न्यूज चैनल न्यूयॉर्क टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें दावा किया कि पेंटागन के अधिकारी चीन के खिलाफ युद्ध की खुफिया रणनीति को राष्ट्रपति ट्रंप के सामने पेश करने से पहले सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख और राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी एलन मस्क को इसकी जानकारी देंगे।

ट्रंप ने किया खंडन : राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा कि चीन का इस बैठक में जिक्र भी नहीं होगा। ये कितना शर्मनाक है कि ये बदनाम मीडिया इस तरह के झूठ भी गढ़ सकता है। खैर इस कहानी में कोई सच्चाई नहीं है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हम कल पेंटागन में मस्क का स्वागत करेंगे, लेकिन एक बार फिर फर्जी खबर फैलाई गई। यह

बैठक चीन के साथ युद्ध के किसी खुफिया प्लान के बारे में नहीं है बल्कि ये एक अनौपचारिक बैठक है, जिसमें नवाचार, दक्षता और बेहतर उत्पादन पर चर्चा होगी।

मीडिया रिपोर्ट के दावे के बाद ट्रंप प्रशासन के आलोचकों ने इसे मुद्दा बना लिया और विपक्षी डेमोक्रेट नेताओं ने कहा कि टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के चीन से व्यापार हित जुड़े हैं। ऐसे में मस्क के साथ संघीय सरकार की गोपनीय सूचनाएं साझा करने पर सवाल उठाए। रिपोर्ट में चीन युद्ध योजना की टॉप-सीक्रेट जानकारी मस्क के साथ साझा करने का दावा न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस टॉप-सीक्रेट ब्रीफिंग में 20 से 30 स्लाइड्स शामिल हैं। जिसमें अमेरिका की चीन के खिलाफ युद्ध की संभावित रणनीतियों का विवरण दिया गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि किन चीनी ठिकानों पर हमला किया जा सकता है और किस समय अवधि में यह कार्रवाई की जाएगी। यह योजना राष्ट्रपति ट्रंप को भी प्रस्तुत की जाएगी। व्हाइट हाउस और मस्क ने नहीं की पुष्टि व्हाइट हाउस और एलन मस्क ने अभी तक इस पेंटागन दौरे की पुष्टि नहीं की है। हालांकि, रक्षा विभाग के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने न्यूयॉर्क टाइम्स से कहा, रक्षा विभाग एलन मस्क का शुक्रवार को पेंटागन में स्वागत करने के लिए उत्साहित है। उन्हें रक्षा मंत्री हेगसेथ द्वारा आमंत्रित किया गया था और वे सिर्फ एक दौरे पर आ रहे हैं। मस्क की भूमिका पर उठ रहे सवाल एलन मस्क पहले से ही ट्रंप प्रशासन में अपनी भूमिका को लेकर जांच के दायरे में हैं। 53 वर्षीय मस्क जनवरी में ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से सरकारी खर्चों में कटौती के प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं।

भारतीय शोधकर्ता के निर्वासन पर जज ने लगाई रोक, हमास का समर्थन करने का है आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। कथित तौर पर हमास का समर्थन करने के लिए जिन भारतीय शोधकर्ता पर निर्वासन की तलवार लटक रही थी, उन्हें अब अमेरिका के एक जज ने बड़ी राहत देते हुए उनके निर्वासन पर फिलहाल रोक लगा दी है। बद्र खान सूरी वॉशिंगटन डीसी की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में पोस्ट डॉक्टरल फेलो हैं। बद्र खान सूरी पर बीते दिनों अमेरिका में हमास के समर्थन में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान आतंकी संगठन का समर्थन करने का आरोप लगा है। ट्रंप सरकार हमास समर्थकों को देश से निर्वासित कर रही है, जिसके बाद बद्र खान सूरी को भी हिरासत में लिया गया है।

भारतीय शोधकर्ता पर ये हैं आरोप : बद्र खान सूरी ने अपने निर्वासन के खिलाफ अदालत में अपील की। अब गुरुवार को वर्जीनिया अदालत की जज पैट्रिसिया टोलिवर जाइल्स ने अपने आदेश में बद्र खान सूरी के निर्वासन पर अदालत के अगले आदेश तक रोक लगा दी है। बद्र सूरी को लुइसियाना के एक डिटेंशन सेंटर में हिरासत में रखा गया है। अमेरिका के मानवाधिकार संगठन अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन ने भी इस मामले में एक याचिका दायर की थी। बद्र खान सूरी को सोमवार को उनके अलिंगटन स्थित आवास से हिरासत में लिया गया था। अमेरिका के आंतरिक सुरक्षा विभाग होमलैंड सिक्योरिटी विभाग का दावा है कि बद्र खान सूरी हमास का प्रोपेगेंडा फैला

रहे थे और सोशल मीडिया पर यहूदी विरोध को बढ़ावा दे रहे थे। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग का आरोप है कि बद्र खान सूरी के हमास के साथ संबंध भी हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सूरी के वकील हसन अहमद ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि सूरी को उनकी फलस्तीनी मूल की पत्नी की विरासत के कारण दंडित किया जा रहा है। उनकी पत्नी मेफेज सालेह गाजा मूल की हैं। फिलहाल वह जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के समकालीन अरब अध्ययन केंद्र में प्रथम वर्ष की छात्रा हैं। उन्होंने फलस्तीन स्थित गाजा के इस्लामिक विश्वविद्यालय से पत्रकारिता और सूचना में स्नातक की डिग्री ली है। उन्होंने भारत में नई दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया में नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कॉन्फ्लिक्ट रेजोल्यूशन से संघर्ष विश्लेषण और शांति स्थापना में मास्टर्स डिग्री भी प्राप्त की है।

टेस्ला साइबरट्रक में बड़ा संकट:46,000 वाहनों को वापस बुलाया, सुरक्षा कारणों से कंपनी की 8वीं रिकॉल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुरक्षा विनियामकों ने टेस्ला को एक और बड़ा झटका दिया है। इसके तहत टेस्ला के लगभग सभी साइबरट्रक वाहनों को वापस बुला लिया गया है। यह टेस्ला द्वारा निर्मित वाहनों के लिए अब तक की आठवीं रिकॉल कार्रवाई है। रिकॉल में शामिल 46,000 से अधिक साइबरट्रक को वापस मंगाया गया है। ये सभी वाहन वर्ष 2024 और 2025 मॉडल हैं, जो 13 नवंबर 2023 से लेकर 27 फरवरी 2025 के बीच बनाए गए थे।

एनएचटीएसए ने दी जानकारी : नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएचटीएसए) ने बताया कि साइबरट्रक के विंडशील्ड के बाएं और दाएं किनारे पर एक बाहरी पैनल चलने के दौरान अलग हो सकता है, जो सड़क पर अन्य ड्राइवरों के लिए खतरनाक हो सकता है और दुर्घटना का कारण बन सकता है। मामले में एनएचटीएसए ने ये भी कहा कि इस चिपकने वाले पदार्थ में पर्यावरणीय भंगुरता के कारण समस्या आ सकती है। इसके समाधान के लिए, टेस्ला अतिरिक्त मजबूती के साथ नए चिपकने वाले पदार्थ का उपयोग करेगा।टेस्ला इन वाहनों को मुफ्त में ठीक करेगा और मालिकों को 19 मई 2025 तक एक सूचना पत्र भेजा जाएगा।

रिकॉल टेस्ला के लिए झटका, समझिए कैसे : बता दें कि यह रिकॉल कार्रवाई टेस्ला के लिए एक और झटका है, जो पिछले कुछ समय से लगातार सुरक्षा समस्याओं का सामना कर रहा है। हाल ही में, टेस्ला के इलेक्ट्रिक इन्वर्टर में खराबी की वजह से भी वाहनों को रिकॉल किया गया था, जिससे ड्राइव व्हील्स की शक्ति कम हो सकती थी। इसके अलावा, एक्सेलेरेशन पैडल की समस्या, विंडशील्ड वाइपर और डिस्प्ले स्क्रीन

की खराबी जैसी अन्य समस्याएं भी सामने आ चुकी हैं। गौरतलब है कि साइबरट्रक को 2023 के अंत में ग्राहकों को डिलीवर करना शुरू किया गया था। साथ ही इसकी डिलीवरी के बाद से यह आठवीं बार है जब इसे वापस मंगाया गया है। हालांकि, इस बार किसी भी घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन टेस्ला के लिए यह एक नई चिंता है क्योंकि कंपनी पहले से ही बढ़ती प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा मुद्दों से जूझ रही है।

टेस्ला के शोरूप बन रहें हमलों का शिकार इसके अलावा, टेस्ला के शोरूम और चार्जिंग स्टेशनों को हाल ही में कई हमलों का शिकार भी बनाया गया है। इनमें वाहनों पर मोलोटोव कॉकटेल फेंकने और इमारतों पर आपत्तिजनक शब्दों को स्प्रे-पेंट करने जैसे घटनाएं शामिल हैं। इन हमलों के बाद से कंपनी को सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, टेस्ला के शेयरों पर इस रिकॉल का कोई खास असर नहीं पड़ा, लेकिन 2025 में कंपनी के शेयरों में 42प्रतिशत की गिरावट आई है, जो वैश्विक बिक्री में गिरावट और कंपनी की स्थिति पर नए निराशावाद को दर्शाता है।

फर्जी निवेश सलाहकारों और शोध विश्लेषकों पर सेबी का एक्शन, 70,000 से अधिक पोस्ट और अकाउंट हटा दिए

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बताया कि सोशल मीडिया पर मिसलीडिंग कंटेंट (भ्रामक सामग्री) के खिलाफ सख्त कार्रवाई हुई है, सेबी की ओर से अक्टूबर 2024 से 70,000 से अधिक पोस्ट और अकाउंट को हटा दिया गया है। सेबी द्वारा यह कदम गलत सूचनाओं से निपटने और ऑनलाइन वित्तीय इंफ्लूएंसर को रेगुलेट करने की कड़ी में उठाया गया है। बाजार नियामक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि वे यह सुनिश्चित कर सके कि इस तरह का कोई भी कंटेंट किसी भी निवेशक को भ्रमित न करे। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, हम सभी के लिए एक आम चिंता अनरजिस्टर्ड निवेश सलाहकारों/ शोध विश्लेषकों से जुड़ी है, जो निवेश में बढ़ती रुचि का गलत फायदा उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सेबी के प्रपोजल के तहत यूपीआई 'पेराइट' हैंडल का इस्तेमाल निवेशकों को रजिस्टर्ड संस्थाओं की आसानी से पहचान करने में मदद करेगा, ताकि वे खुद को धोखेबाजों से बचा सकें।

नारायण ने कहा, निवेश में बढ़ती रुचि के साथ ही अनरजिस्टर्ड निवेश सलाहकारों और शोध विश्लेषकों की संख्या में भी तेजी से वृद्धि हुई है। ये निवेश सलाहकार और शोध विश्लेषक निवेशकों को गुमराह करते हैं। नारायण ने बताया कि सेबी निवेशकों के व्यवहार को बेहतर ढंग से समझने और अपनी आउटरीच रणनीतियों में सुधार करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी सर्वे की योजना बना रहा है। विदेशी निवेश पर नारायण ने कहा, ग्लोबल डेट इंडाइसेस में भारत के शामिल होने से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) ऋण प्रवाह में वृद्धि दर्ज की गई है और इसने इंवेस्टमेंट मिक्स में सुधार किया है। इस बीच, सेबी बोर्ड 24 मार्च को नए प्रमुख तुहिन कांता पांडे के नेतृत्व में अपनी पहली बैठक आयोजित करने वाला है। बाजार नियामक एल्गोरिथम ब्रोकरों के लिए एक सेटलमेंट स्कीम पेश कर सकता है और शोध विश्लेषकों के लिए फी कलेक्शन पीरियड को बढ़ाने पर विचार किया जा सकता है।

डिक्सन टेक्नोलजीज की बाजार हिस्सेदारी 11 फीसदी पर पहुंची

कंपनी की बाजार हिस्सेदारी वर्ष 2023 में 8 फीसदी थी

मुंबई ।

इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बनाने वाली कंपनी डिक्सन टेक्नोलजीज तेजी से अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर काम कर रही है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार 2024 में स्मार्टफोन उत्पादन में डिक्सन टेक्नोलजीज की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 11 फीसदी पहुंच गई जो 2023 में 8 फीसदी थी। इसकी तुलना में ऐपल इंक के लिए भारत और वैश्विक बाजार के लिए ठेके पर आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन होन हई की बाजार हिस्सेदारी पिछले साल 12 फीसदी रही, जो 2023 में 11 फीसदी थी। इसी तरह चीन के डीबीजी समूह की 2023 में बाजार हिस्सेदारी 9 फीसदी थी जो 2024 में बढ़कर 12 फीसदी पहुंच गई। डीबीजी श्याओमी तथा अन्य कंपनियों के लिए स्मार्टफोन बनाती है। ऐपल के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भी आईफोन बनाती है जिसका उत्पादन में हिस्सा 2024 में दोगुना बढ़कर 4 फीसदी हो गया। वर्ष 2023 में कुल स्मार्टफोन उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी 2 फीसदी थी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने विसट्रोन का अधिग्रहण किया था और हाल ही में पेगाट्रॉन में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदी है। ये दोनों कंपनियां ऐपल के लिए आईफोन बनाती थीं। काउंटरपॉइंट के अनुसार टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का स्मार्टफोन उत्पादन 2023 की तुलना में 107 फीसदी बढ़ा है। आईफोन 15 और आईफोन 16 के उत्पादन में उसका अहम योगदान है। दूसरी ओर फॉक्सकॉन का उत्पादन 2023 के मुकाबले 2024 में 19 फीसदी और डीबीजी का उत्पादन इस दौरान 35 फीसदी बढ़ा है। मोबाइल उपकरणों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाते हुए डिक्सन ने कई वैश्विक ब्रांडों को अपने साथ जोड़ा है, जिनके लिए वह स्मार्टफोन बनाती है। इन कंपनियों में श्याओमी, नोकिया एचएमडी, मोटोरोला आदि शामिल हैं।

सेल दमदार है लेकिन रजिस्ट्रेशन में देरी हो रही है: ओला इलेक्ट्रिक

पिछले महीने कंपनी ने 25,000 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे थे

मुंबई ।

ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि उसकी बिक्री दमदार है। कंपनी आंकड़ों की कवायद मार्च के ओ खिर तक पूरा करने पर फोकस बनाए हुए है। सरकार के वाहन पोर्टल पर फरवरी के बिक्री के वास्तविक और घोषित आंकड़ों में विसंगतियां के बीच कंपनी ने यह जानकारी दी।

इससे पहले कंपनी ने ऐलान किया था कि उसने पिछले महीने 25,000 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे थे। हालों कि वाहन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार फरवरी के अंत तक और 17 मार्च तक उसने केवल 8,651 स्कूटर पंजीकृत किए। कंपनी ने कहा कि हमारी बिक्री दमदार बनी हुई है और फरवरी के दौरान अस्थायी बैकलॉग का कारण विक्रेताओं के साथ चल रही हमारी बातचीत थी क्योंकि वाहन पंजीकरण का जिम्मा इन डीलर पर ही होता है। इस लंबित काम को तेजी से निपटाया जा रहा है और रोजाना के पंजीकरण हमारी तीन महीने की दैनिक बिक्री के औसत का 50 प्रतिशत से अधिक हैं। फरवरी के बैकलॉग का लगभग 40 प्रतिशत पहले ही निपटा दिया गया है और शेष मार्च 2025 के अंत तक खत्म कर लिया जाएगा।

21 मार्च तक वाहन पोर्टल पर फरवरी की बिक्री का आंकड़ा 8,652 था। मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार वाहनों को खुदरा बिक्री के सात दिन के भीतर संबंधित राज्यों के परिवहन विभाग के पास पंजीकृत कराना होता है। केंद्र सरकार का वाहन पोर्टल सभी पंजीकृत वाहनों को रिकॉर्ड करता है जहां से खुदरा बिक्री के आंकड़े एकत्रित किए जाते हैं।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में अप्रैल 2025 से नए नियम लागू

मुंबई ।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में 1 अप्रैल 2025 से कई नए नियम लागू होने जा रहे हैं, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए हैं। उन्होंने अधिक ग्राहक हित के लिए ये नए नियम घोषित किए हैं। इन नियमों के तहत एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे बड़े बैंकों में मिनिमम बैलेंस रखने के नियम बदल गए हैं।

एसबीआई के नए नियम- सरकारी बैंकों में सबसे बड़ा बैंक एसबीआई ने अपने ग्राहकों के लिए मिनिमम बैलेंस रखने की नई नीति लागू की है। बड़े शहरों में एसबीआई खाता खुलवाने वाले ग्राहकों के लिए मिनिमम बैलेंस की लिमिट 3000 रुपए है, छोटे शहरों में 2000 और गांव के बैंकों में 1000 रुपए।

पीएनबी के नए नियम- पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने भी नए बैलेंस रखने के नियम लागू किए हैं। बड़े शहरों में पीएनबी के ग्राहकों के लिए मिनिमम बैलेंस की लिमिट 2000 रुपए है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 1000 रुपए रखने की अनिवार्यता है।

एचडीएफसी बैंक के नए नियम- एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए बड़े शहरों में मिनिमम बैलेंस 10,000 रुपए रखने की नई नीति लागू की है। छोटे या ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों के लिए भी बैलेंस की लिमिट 2500 से 5000 रुपए तक है।

आईसीआईसीआई बैंक के नए नियम- आईसीआईसीआई बैंक भी अपने ग्राहकों के लिए बड़े शहरों में मिनिमम बैलेंस की लिमिट निर्धारित की है। इसके अनुसार बड़े शहरों में 10,000 रुपए जरूरी है, जबकि छोटे और ग्रामीण इलाकों के ग्राहकों के लिए 2500 से 5000 रुपए की लिमिट और गांवों के लिए 1000 रुपए की जरूरत है।

मारुति, टाटा और किआ अपने वाहनों की बढाएंगी कीमतें

नई दिल्ली ।

अप्रैल 2025 से देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियों ने अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया है। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही कारों की कीमतों में बढ़ोतरी होने जा रही है। इन प्रमुख कंपनियों में मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और किआ इंडिया शामिल है। सप्लाई चेन की चुनौतियों और बढ़ते उत्पादन खर्च को इसका कारण बताया गया है। ऐसे में कार खरीदने की सोच रहे ग्राहकों के लिए मार्च सबसे उपयुक्त समय साबित हो सकता है। ऐसे में अगर कोई ग्राहक नई कार खरीदने की योजना बना रहा है, तो उसके लिए मार्च 2025 सबसे सही समय हो सकता है। टाटा मोटर्स ने पुष्टि की है कि वह अपनी पूरी रेंज के वाहनों की कीमतें बढ़ाने जा रही है। हालांकि, यह वृद्धि मॉडल और वेरिएंट के अनुसार अलग-अलग होगी। टाटा ने फिलहाल अधिकतम बढ़ोतरी की जानकारी नहीं दी है, लेकिन इसका कारण उत्पादन लागत और कच्चे माल की बढ़ती कीमतों को बताया गया है। किआ इंडिया ने भी अपने पूरे मॉडल लाइन-अप की कीमतों में 3 प्रतिशत तक की वृद्धि करने की घोषणा की है।

इसमें सेल्टोस, सोनेट, कैरेंस, ईवी6, ईवी9 और कार्निवल जैसे मॉडल शामिल हैं। कंपनी ने लागत में बढ़ोतरी को इसकी वजह बताया है। मारुति सुजुकी भी अप्रैल से अपने विभिन्न मॉडलों की कीमतें बढ़ाएगी। कुछ गाड़ियों पर 4 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है। यह इस साल कंपनी की तीसरी कीमत वृद्धि होगी। जनवरी और फरवरी में भी मारुति ने ब्रेजा, सेलेरियो और ऑल्टो के 10 जैसे मॉडलों की कीमतें बढ़ाई थीं।

गोदरेज कंज्युमर की तीसरी तिमाही कमजोर रही

मुंबई ।

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (जीसीपीएल) के लिए वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही कमजोर रही। लेकिन कुछ विश्लेषक तीसरी तिमाही को मजबूत बिक्री सुधार की उम्मीद के साथ अपवाद मान रहे हैं और उनकी राय में वित्त वर्ष 2026 में यह सबसे तेजी से बढ़ने वाली एफएमसीजी कंपनी साबित हो सकती है। तीसरी तिमाही में लॉन्ड्री, एयर-फ्रेशनर और सेक्सुअल वेलनेस में दो अंकों की वृद्धि साबुन और घरेलू कीटनाशकों में आई गिरावट के आगे फीकी पड़ गई। चौथी तिमाही के बाद साबुन की कीमतों में और बढ़ोतरी की उम्मीद है। अगरबत्ती की बाजार भागीदारी बढ़ी जबकि लिक्विड वैपोराइजर और लॉन्ड्री लिक्विड पदार्थों का बाजार में दबदबा रहा। साबुन व्यवसाय ने भी बाजार भागीदारी में इजाफा दर्ज किया। लेकिन डिओड्रेंट की बाजार भागीदारी गंवाई। कंपनी का भारतीय परिचालन मुनाफा मार्जिन तीसरी तिमाही में 22.5 फीसदी रहा जो ऐतिहासिक 24-26 फीसदी के दायरे की तुलना में कम है। भारत में अन्य खर्च में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई क्योंकि जीसीपीएल ने ग्रामीण क्षेत्र में निवेश जारी रखा।

सेबी ने 10 संस्थाओं पर लगाया 50 लाख का जुर्माना

मुंबई । भारतीय पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बीएसई के इलिक्विड स्टॉक ऑप्शंस सेगमेंट में गैर-प्रामाणिक ट्रेडिंग में शामिल 10 संस्थाओं पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। प्रत्येक इकाई पर 5-5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया, जिनमें सचिन जैन एचयूएफ, मोतीलाल बैद, अजय नोपानी, दिवाकर झा, बागदेवी सप्लायर्स प्राइवेट लिमिटेड, रीता आर ठक्कर, काला सप्लायर्स प्राइवेट लिमिटेड, मेघा निभवानी, सीताराम जयंती और अमित शॉ शामिल हैं। सेबी ने पाया कि इन संस्थाओं ने अप्रैल 2014 से सितंबर 2015 के बीच बीएसई के इलिक्विड स्टॉक ऑप्शंस सेगमेंट में रिवर्सल ट्रेड्स किए, जिससे कृत्रिम वॉल्यूम बना। सेबी ने कहा कि रिवर्सल ट्रेड्स का कोई वित्तीय तर्क नहीं होता और यह बाजार में नकली वॉल्यूम बढ़ाकर निवेशकों को गुमराह करने का काम करता है। इसके अलावा सेबी ने कॉरपोरेट स्ट्रैटेजिक एलायंज प्राइवेट लिमिटेड का मर्चेंट बैंकर लाइसेंस रद्द कर दिया। सेबी की अप्रैल 2022 से सितंबर 2023 तक चली जांच में नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हुई। नियामक के अनुसार कंपनी ने नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया, जिसके चलते उसका पंजीकरण रद्द करने का निर्णय लिया गया।

10 साल में सोने की कीमत 3 गुना बढ़ी

सरकार के खजाने को लगा 1.2 लाख करोड़ का फटका

मुंबई । भारत सरकार ने 10 साल पहले सावरेन गोल्ड बॉन्ड योजना शुरू की थी।जब यह योजना शुरू हुई थी। उस समय सोने के दाम ₹2943 प्रति ग्राम थे। अब सरकार को जब सावरेन गोल्ड बांड का भुगतान करना पड़ रहा है। इस समय प्रति ग्राम सोने का भाव ₹ 8624 प्रति ग्राम है। सरकार को इस मूल्य पर ढाई फ़ीसदी ब्याज भी बांड धारकों को चुकाना है। सरकार के खजाने पर लगभग 1.2 लाख करोड रुपए का अतिरिक्त बोझ आ गया है।सरकार ने इसके बारे में सोचा ही नहीं था। केंद्र सरकार ने 2015 में सावरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम चालू की थी। पिछले 10 साल में सोने की कीमतें लगभग 250 फ़ीसदी बढ़ चुकी हैं। सरकार ने 67 किस्तों में 145 टन सोना गोल्ड बॉन्ड के रूप में बेचकर 72274 करोड रुपए जुटाये थे। केंद्र सरकार ने अभी तक 6 किस्तों का ही भुगतान किया है। जो 15 टन सोने के बराबर है। सरकार को अभी 132 टन सोने के बांड का भुगतान करना है। वर्तमान में सोने की जो कीमत है।उसके अनुसार सरकार को 1.2 लाख करोड रुपए मूल्य के सोने का भुगतान करना होगा। जुलाई 2024 के बजट में सरकार ने जो अनुमान लगाया था। उसके अनुसार गोल्ड बांड के रूप में सरकार का अनुमान था। उसकी देनदारी 85000 करोड रुपए की होगी। सरकार का यह दांव भी उल्टा पड़ता हुआ दिख रहा है। 2015 में सरकार ने बाजार से 8 फीसदी ब्याज दर से कर्ज उठाने के स्थान पर ढाई फ़ीसदी ब्याज दर पर गोल्ड बांड के माध्यम से कर्ज उठाया था। सोना इतना महंगा हो जाएगा। सरकार ने सोचा भी नहीं था। डॉलर बचाने के चक्कर में सरकार सोने के चक्कर में पड़ गई।

सेंसेक्स और निफ्टी में चार फीसदी से अधिक तेजी रही

- सेंसेक्स 557.45 अंक उछलकर 76,905.51 पर बंद
- निफ्टी 159.75 अंक बढ़कर 23,350.40 पर बंद

मुंबई ।

इस सप्ताह निचले स्तर पर खरीदारी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के बाजार में लौटने की आस में बेंचमार्क सूचकांकों ने चार साल की सबसे लंबी साप्ताहिक छलांग लगाई है। इस हफ्ते दोनों सूचकांकों में 4.3 फीसदी की तेजी आई। 22 जुलाई 2022 के बाद सेंसेक्स का यह सबसे अच्छा साप्ताहिक प्रदर्शन रहा। विश्लेषकों के अनुसार निचले स्तर पर लिवाली से बाजार में तेजी आई है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने इस साल ब्याज दर में दो बार कटौती का अनुमान लगाया है जिससे भी निवेशकों का हौसला बढ़ा है। इस सप्ताह सेंसेक्स के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के चलते बैंकिंग, वित्तीय और ऑटो शेयरों में बढ़त के साथ कारोबार शुरू हुआ। प्रमुख भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को बढ़त के साथ खुले। बीएसई का सेंसेक्स 374 अंक बढ़कर 74,203 पर खुला और 341.04 अंकों की बढ़त के साथ 74,169.95 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 50 119 अंक बढ़कर 22,517 पर खुला और 111.55 अंकों की बढ़त लेकर 22,508.75 अंकों पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी के कारण मंगलवार को बीएसई का सेंसेक्स सूचकांक 900 अंक से अधिक उछलकर 75,000 अंक पर खुला और 1,131.31 अंक

प्रतिशत बढ़कर 75,301.26 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 265.9 अंक बढ़कर 22,774.65 अंक पर खुला और निफ्टी 325 अंक चढ़कर 22,834 पर बंद हुआ है। बुधवार को सेंसेक्स 132.97 अंकों की तेजी के साथ 75,434.23 के लेवल पर खुला और 147.79 अंक बढ़कर 75,449.05 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 49.4 अंक की उछाल के साथ 22,883.70 के लेवल पर खुला और 73.30 अंक बढ़कर 22,907.60 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 468 अंकों की शानदार बढ़त के साथ 75917 पर खुला और 899 अंक की तेजी रही, ये 76,348 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 129 अंकों की उछाल के साथ 23036 पर खुला और 283 अंक चढ़कर 23,190 के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 252.8 अंक गिरकर 76,095.26 अंक पर खुला और 557.45 अंक उछलकर 76,905.51 पर बंद हुआ। निफ्टी 57.85 अंक गिरकर 23,132.80 अंक पर खुला और 159.75 अंक बढ़कर 23,350.40 अंक पर बंद हुआ।

भारत में खपत 2034 तक बढ़कर दोगुनी हो जाएगी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में खपत में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है। देश की कुल जीडीपी में 56 फीसदी का योगदान देने वाला यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसकी विकास की रफ्तार सबसे तेज है। जिससे भारत जल्द ही प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पछाड़कर दुनिया की खपत राजधानी बन जाएगा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता आधार की वजह से भारत में खपत 2034 तक बढ़कर दोगुनी हो जाएगी। इसमें एकल परिवार के चलन की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसकी वजह से भारत में घरेलू विकास जनसंख्या वृद्धि से आगे निकल रहा है और यह बढ़ती खपत का प्रमुख चालक बनकर उभर रहा है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में टैक्स के मोर्चे पर करदाताओं को दी राहत से एक लाख करोड़ रुपये प्राप्त होंगे, जिससे 3.3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धिशील खपत को बढ़ावा मिलेगा। इसमें भारतीय जीडीपी को एक फीसदी तक बढ़ाने की क्षमता है।

टेलीकॉम फॉड: 3.4 करोड़ से ज्यादा मोबाइल फोन बंद, 3.19 लाख आईएमईआई नंबर ब्लॉक

16.97 लाख वॉट्सएप अकाउंट भी ब्लॉक किए गए

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार ने बताया कि टेलीकॉम फॉड से निपटने के लिए संचार साथ पोर्टल के द्वारा अब तक 3.4 करोड़ से ज्यादा मोबाइल फोन को बंद किया गया है और 3.19 लाख आईएमईआई नंबर को ब्लॉक कर दिया गया है। दूरसंचार विभाग ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग डेटा की मदद से 16.97 लाख वॉट्सएप अकाउंट भी ब्लॉक किए गए हैं। राज्यसभा में संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने कहा कि दूरसंचार विभाग की संचार साथी पहल के तहत 20,000 से ज्यादा बल्क एसएमएस भेजने वालों को भी ब्लैकलिस्ट किया है। मोदी सरकार के संचार साथी पोर्टल पर नागरिकों को चक्षु की मदद से संदिग्ध धोखाधड़ी से जुड़े कम्युनिकेशन को रिपोर्ट करने की सुविधा मिलती है। मंत्री डॉ. पेम्मासानी ने कहा कि संदिग्ध धोखाधड़ी से जुड़ी शिकायतें मिलने के बाद दूरसंचार विभाग इनकी जांच करता है। इसके बाद जांच में गलत मिले नंबर को ब्लॉक कर दिया जाता है। व्यक्तिगत रूप से रिपोर्ट किए गए संदिग्ध धोखाधड़ी कम्युनिकेशन पर कार्रवाई करने के बजाय दूरसंचार विभाग अपनी जांच के लिए क्राउड-सोर्स डेटा का इस्तेमाल करता है, ताकि टेलीकॉम रिसोर्सेस का गलत इस्तेमाल होने से रोका जा सके। दूरसंचार विभाग एआई बेस्ड टूल्स और बिग डेटा एनालिसिस के साथ नकली दस्तावेजों पर लिए गए संदिग्ध मोबाइल कनेक्शनों की पहचान करता है। इसके अलावा, दूरसंचार विभाग और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) ने ऐसी अंतरराष्ट्रीय स्पूफ कॉलों की पहचान करने के लिए एक नया सिस्टम तैयार किया है, जो असल में विदेशों से होती हैं और भारत से आने वाली कॉल दिखाती हैं। इस सिस्टम के साथ इस तरह की कॉल की पहचान रियल टाइम में की जा सकती है और नंबर को ब्लॉक कर सकते है। इस बीच, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने 1,150 संस्थाओं/ व्यक्तियों को ब्लैकलिस्ट किया है और 18.8 लाख से ज्यादा रिसोर्सेस को डिस्कनेक्ट कर दिया है। इन कार्रवाइयों के साथ अनरजिस्टर्ड टेलीमार्केटर्स (यूटीएम) के खिलाफ शिकायतों में कमी आई है, जो कि अगस्त 2024 में 1,89,419 थीं और जनवरी 2025 में घटकर 1,34,821

भारत ने कोयला उत्पादन में रचा इतिहास, 1 अरब टन के पार

- देश की ऊर्जा मांग पूरी करने में मदद मिलेगी

मुंबई । भारत ने कोयला उत्पादन में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है, जिसके माध्यम से देश ने 1 अरब टन को पार कर लिया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि दिखाती है कि कोयला उत्पादन क्षेत्र में भारत की प्रगति निरंतर जारी है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने इस सफलता को साझा करते हुए बताया कि उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ सुरक्षित और जिम्मेदार खनन की व्यवस्था को भी मजबूती से संभाला गया है। इस उपलब्धि से देश की ऊर्जा मांग पूरी करने में मदद मिलेगी और आर्थिक विकास को गति देने में सहायक साबित होगी। कोविड काल के दौरान कोयले की मांग में तेजी से वृद्धि के साथ, देश ने अपने उत्पादन में उछाल देखा है। निजी स्वामित्व वाली खदानों और कोल इंडिया के सहयोग से इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल किया गया है। कोल इंडिया ने बताया कि देश में स्वदेशी उत्पादन के मामले में यह उपलब्धि एक महत्वपूर्ण कदम है और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण क्रांति उल्लेखनीय ढंग से साकार हो रही है। इस सफलता के माध्यम से भारत के कोयला उत्पादन क्षेत्र में नया एक चांद निकला है, जो देश के ऊर्जा मांग को पूरी करते हुए विकास की राह में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

एलआईसी ने की हेल्थ इंश्योरेंस में प्रवेश की घोषणा

मुंबई । लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) ने अपने ग्राहकों के लिए बड़ी घोषणा की है, और इस बार यह केवल जीवन बीमा सेवाओं के लिए नहीं है। एलआईसी अब हेल्थ इंश्योरेंस क्षेत्र में भी पहुंचने को तैयार है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी सिद्धार्थ मोहंती ने बताया कि एलआईसी एक और कंपनी के साथ साझेदारी करने जो` कि प्रक्रिया में है, और 31 मार्च से पहले इस डील की घोषणा हो सकती है। साझेदारी के लिए चयन किया जा रहा है, लेकिन कंपनी का नाम अभी तक रहस्यमय है। मीडिया से बातचीत के दौरान कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि यह संभावित है कि एलआईसी की नई साझाकर्ता मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस हो सकती है। एलआईसी के लिए स्वास्थ्य इंश्योरेंस में एंट्री का फैसला विश्वासी और स्वाभाविक है। एलआईसी इस साझेदारी के जरिये केवल 51 प्रतिशत या उससे कम हिस्सेदारी खरीदेगी, जिसका निर्धारण कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा किए गए मूल्यांकन और अन्य कारकों पर आधारित होगा। एलआईसी के हेल्थ इंश्योरेंस में प्रवेश से आम लोगों के लिए एक नई सुविधा का उम्मीदवादी मार्ग खुलने वाला है।

राजस्थान के खिलाफ हैदराबाद जीत का दावेदार

- आईपीएल में 300 रन का आंकड़ा छूने की क्षमता सिर्फ सनराइजर्स हैदराबाद के पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में रविवार 23 मार्च को दो मुकाबले होने है पहला मुकाबला सनराइस हैदराबाद और राजस्थान रॉयल के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला दोपहर 3.30 बजे शुरु होगा। अपने घरेलू मैदान पर पहला मैच खेल रही सनराइजर्स को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा हैं। वहीं यह भी कहा जा रहा हैं कि अगर कोई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 300 के जादुई आंकड़े को छू सकती है, तो वह सनराइजर्स हैदराबाद है। इस टीम के पास विस्फोटक बल्लेबाजी क्रम और अनुभवी गेंदबाज हैं, जो किसी भी टीम को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में शुमार ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, इशान किशन और हेनरिक क्लासेन मौजूद हैं। ये खिलाड़ी किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को तहस-नहस करने की ताकत रखते हैं। पिछले सत्र में सनराइजर्स ने तीन बार 250 से अधिक का स्कोर बनाया था, जिसमें आरसीबी के खिलाफ 287, मुंबई के खिलाफ 277 और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 266 रन शामिल हैं। इस बार टीम 300 का आंकड़ा छूने के इरादे से उतरेगी।

सनराइजर्स के लिए राहत की खबर यह है कि नीतीश कुमार रेड्डी चोट से उबर चुके हैं और उनकी वापसी से बल्लेबाजी को और मजबूती मिलेगी। हालांकि, सबसे ज्यादा नजरें ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की ओपनिंग जोड़ी पर रहेंगी। अभिषेक ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ 54 गेंदों में 135 रन की धुआंधार पारी खेली थी और वह उसी लय को आईपीएल में भी जारी रखना चाहेंगे।

वहीं दूसरी ओर, राजस्थान रॉयल्स की गेंदबाजी थोड़ी कमजोर नजर आ रही है। जोफ्रा आर्चर को छोड़कर टीम के पास कोई बड़ा गेंदबाज नहीं है, जो सनराइजर्स के तूफानी बल्लेबाजों को रोक सके। इसके अलावा, राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन उंगली की चोट के कारण शुरुआती मैचों में विकेटकीपिंग और फील्डिंग नहीं कर पाएंगे। ऐसे में टीम की कमान रियान पराग संभालेंगे। राजस्थान के बल्लेबाजी क्रम में जोस बटलर की गैरमौजूदगी टीम के लिए बड़ा झटका है। इस बार टीम को शिमरॉन

हेटमायर, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा और यशस्वी जायसवाल से बड़ी उम्मीदें होंगी। हालांकि, पिछले सीजन में दोनों टीमों के बीच खेले गए मुकाबलों में सनराइजर्स ने राजस्थान को हराया था, जिससे उनका आत्मविश्वास काफी ऊंचा होगा।

सनराइजर्स के पास गेंदबाजी में कप्तान पैट कमिंस के साथ मोहम्मद शमी और एडम जंपा जैसे अनुभवी खिलाड़ी संभाल रहे हैं, जो राजस्थान के बल्लेबाजों को रोकने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस मुकाबले में युवा वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में मौका मिलने की संभावना कम है। कुल मिलाकर, राजस्थान के सामने सनराइजर्स की चुनौती कड़ी रहने वाली है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, अभिषेक शर्मा, सचिन बेबी, मोहम्मद शमी, एडम जाम्पा, अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, राहुल चाहर, ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, नितीश कुमार रेड्डी, अथर्व तायडे, ब्रायडन कार्से, सिमरजीत सिंह, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी.

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), संजू सैमसन, शुभम दुबे, शिम्रोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, कुणाल सिंह राठौड़, वैभव सूर्यवंशी, वानिंदु हसरंगा, जोफ्रा आर्चर, अशोक शर्मा, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, महेश थीक्षाना, युद्धवीर सिंह.

आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर इंग्लैंड टीम में जगह बनाना चाहते हैं सैम करन

मुम्बई (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर सैम करन का लक्ष्य आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन कर इंग्लैंड टीम में वापसी करना है। करन इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम में शामिल है। करन ने पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के बाद से इंग्लैंड के लिए नहीं खेला है। इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली थी। इस क्रिकेटर ने कहा, मेरा मुख्य लक्ष्य अब इंग्लैंड टीम में वापसी करना है। इसके लिए मुझे आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। साथ कहा कि इंग्लैंड के साथ मुझे लगता है कि मुझे कभी भी सही भूमिका नहीं मिली है। मुझे लगता है कि अगर मैं इंग्लैंड के साथ अपनी भूमिका सही से निभा पाया, तो मैं टीम में जगह पककी कर पाउंगा।

करन ने कहा, मैं वास्तव में अच्छी स्थिति में हूं। मैं अभी भी काफी युवा हूं और मुझे लगता है कि जब कमजोर चीजों को संभालने की बात आती है तो मैं परिपक्व हो गया हूं। थोड़ा और अनुभवी होने के नाते, हालातों को बेहतर ढंग से समझने के कारण, मुझे वास्तव में उम्मीद है कि मैं टीम में वापस आ सकता हूं। ऐसा करने का केवल एक ही तरीका है और वह है अच्छा प्रदर्शन। सीएसक को 23 मार्च को चेन्नई में मुंबई इंडियंस से खेलना है। आईपीएल 2025 में करन का सीएसके के साथ ये तीसर साल है। इससे पहले वह 2020 और 2021 सीजन में उसकी ओर से खेले हैं। उन्होंने मैकुलम द्वारा दिए गए फीडबैक के बारे में भी बात की कि उन्हें इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल योजना से क्यों बाहर रखा गया। उन्होंने कहा, जब मुझे बाहर रखा गया था, तब मैकुलम ने मुझे शुरुआत में बुलाया था, वह स्पष्ट और ईमानदार थे, और मैं इसका सम्मान करता हूं। मैंने उनके अधीन कभी काम नहीं किया है, लेकिन वह जो वह चाहते हैं बहुत ईमानदार और स्पष्ट दिखते हैं। उन्होंने कहा कि मैं अभी वहां नहीं रहूंगा, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दरवाजा बंद हो गया है। यह दूर जाने, वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करने और प्रदर्शन करने के बारे में है।

सरफराज को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिल सकता है अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाने वाले सरफराज खान को जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से एक बार फिर अवसर मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें एक भी टेस्ट मैच में खेलने का मौका नहीं मिला क्योंकि वह चोटिल हो गए थे। इसके बाद वह घरेलू क्रिकेट भी नहीं खेल पाये। भारतीय टीम को अब टेस्ट क्रिकेट जून में खेलना है। तब टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी जहां उसे मेजबानों के साथ 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से खेला जाएगा। सरफराज ने अपना आखिरी टेस्ट न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले साल नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में खेला था। उन्होंने अभी तक भारत के लिए केवल एक टेस्ट में डेब्यू किया है। ऐसे में अब वह तभी भारतीय टीम में नजर आ सकते हैं।

सरफराज का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड है। उन्हें घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद साल 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। सरफराज ने अब तक 6 टेस्ट खेले हैं जिसमें उन्होंने 371 रन बनाए हैं जिसमें 1 शतक और 3 अर्धशतक शामिल है। उनका सबसे अधिक स्कोर 150 रन रहा है। इसके अलावा 54 फर्स्ट क्लास मैचों में सरफराज खान के नाम 4593 रन दर्ज हैं।

हार्दिक पंड्या के बगैर सीएसके से भिड़ेगी मुंबई इंडियंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में रविवार का दूसरा मुकाबला मुंबई इंडियंस का मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स होगा। यह मुकाबला शाम 7.30 बजे शुरु होगा। मुंबई इंडियंस अपने नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के बगैर चेन्नई सुपरकिंग्स से भिड़ेगी। पंड्या रविवार को खेले जाने वाले मुकाबले में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन पर पिछले सीजन के अंतिम लीग मैच में धीमी ओवर गति के कारण एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया था। इस कारण मुंबई इंडियंस की कप्तानी इस मैच में सूर्यकुमार यादव करेंगे। इसके अलावा, टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी चोट के कारण इस मुकाबले में नहीं खेलेंगे, जिससे मुंबई इंडियंस की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

यह मुकाबला चेन्नई के चेपॉक (एमए चिदंबरम स्टेडियम) में खेला जाएगा, जहां की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। इस पिच का अधिकतम लाभ उठाने के लिए चेन्नई सुपरकिंग्स ने पिछले सीजन की नीलामी में रविचंद्रन अश्विन, नूर अहमद, श्रेयस गोपाल और दीपक हुड्डा जैसे गेंदबाजों को टीम में शामिल किया था। टीम के पास पहले से ही अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा मौजूद हैं, जो स्पिन आक्रमण को और धार देंगे। चेन्नई इस मैच में अपने मजबूत स्पिन आक्रमण का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा और मुंबई को दबाव में डालना चाहेगा।

वहीं मुंबई इंडियंस के लिए बुमराह की अनुपस्थिति

भी चिंता का विषय है, क्योंकि वह चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं और शुरुआती मुकाबलों में उनके खेलने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। मुंबई इंडियंस का पिछला सीजन बेहद खराब रहा था, जहां टीम अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर रही थी। हालांकि, इस बार टीम संतुलित नजर आ रही है और मजबूत वापसी की उम्मीद कर रही है। चेन्नई सुपरकिंग्स की बल्लेबाजी में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के साथ रचिन रवींद्र या डेवोन कॉनवे में से किसी एक को ओपनिंग की जिम्मेदारी दी जा सकती है। मध्यक्रम में राहुल त्रिपाठी, शिवम दुबे, दीपक हुड्डा और विजय शंकर मौजूद हैं, जबकि निचले क्रम में महेंद्र सिंह धोनी और रवींद्र जडेजा टीम को मजबूती देंगे।

वहीं मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी क्रम में ईशान किशन की गैरमौजूदगी में दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज रयान रिकेल्टन को मौका मिल सकता है। सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे। गेंदबाजी विभाग में ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर और रीस टॉपली की मौजूदगी से टीम को मजबूती मिलेगी, जबकि मिशेल सेंटनर, कर्ण शर्मा और मुजीब उर रहमान स्पिन विभाग संभालेंगे। मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच हालिया रिकॉर्ड की बात करें तो चेन्नई ने पिछले पांच मुकाबलों में से चार में जीत दर्ज की है। ऐसे में यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

टीम इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी (विकेटकीपर), सी आंद्रे सिद्धार्थ, रचिन रवींद्र, रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर, सैम कुरेन, अंशुल कंबोज, दीपक हुडा, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, खलील अहमद, नूर अहमद, मुकेश चौधरी, गुरजपनीत सिंह, नाथन एलिस, श्रेयस गोपाल, मथीशा पथिराना.

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), श्रीजीत कृष्णन (विकेटकीपर), बेवोन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिशेल सेंटनर, राज अंगद बावा, विग्नेश पुथुर, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेत्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान, जसप्रीत बुमराह.

मशहूर हैवीवेट बॉक्सर फॉरमैन का निधन, परिवार ने की पुष्टि

वाशिंगटन। मशहूर हैवीवेट बॉक्सर जॉर्ज फॉरमैन का निधन हो गया है वह 76 वर्ष के थे, उनके परिवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी पुष्टि की है। बिग जॉर्ज के नाम से मशहूर फॉरमैन ने 1960 के दशक में बॉक्सिंग में करियर शुरु किया था। उन्होंने ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता और दो बार विश्व हैवीवेट चैंपियन बने। उनकी पहली हार 1974 में मोहम्मद अली के खिलाफ ऐतिहासिक मुकाबले में हुई थी, जिसे 'द रंबल इन द जंगल' नाम दिया गया था। फॉरमैन के परिवार की ओर से कहा गया कि हमारा दिल टूट गया है। उन्होंने अपनी जिंदगी अटूट विश्वास, विनम्रता और उद्देश्य से भरी हुई जी है।

विश्व का सबसे अमीर क्रिकेटर है एक भारतीय

नई दिल्ली । भारत ही नहीं विश्व का सबसे धनी क्रिकेटर एक भारतीय है पर उसने एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। ये और कोई नहीं आर्यमन बिड़ला हैं जो बिड़ला समूह के प्रमुख कुमारमंगलम बिड़ला के बेटे हैं। आर्यमन ने मध्य प्रदेश की ओर से घरेलू क्रिकेट खेला है। इस क्रिकेटर ने अपना अंतिम फर्स्ट क्लास मैच जनवरी 2019 में इंदौर में आंध्र प्रदेश के खिलाफ खेला था। इसके बाद वह अपने कारोबार में लग गये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार आर्यमन की नेटवर्थ लगभग 70,000 करोड़ है। जो सचिन तेंदुलकर की कुल संपत्ति से लगभग 6 गुना ज्यादा है। दो दशक से अधिक समय तक अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले सचिन की नेटवर्थ लगभग 1200 करोड़ है।वहीं विराट कोहली ने कोहली की कुल नेटवर्थ लगभग 1000 करोड़ है। आईसीसी की तीनों ट्रॉफी जीतने वाले दुनिया के इकलौते कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की भी कुल संपत्ति लगभग 923 करोड़ है। आर्यमन को 2017-18 में मध्य प्रदेश की रणजी ट्रॉफी टीम में चुना गया था। आईपीएल 2018 में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें अपनी टीम में लिया था। राजस्थान रॉयल्स ने तब नीलामी में आर्यमन को 30 लाख में खरीदा था। आर्यमन ने 9 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और एक अर्धशतक की मदद से कुल 414 रन बनाए हैं। लिस्ट ए (घरेलू क्रिकेट में सीमित ओवरों का मैच) के 4 मैचों में 36 रन बनाए हैं। साल 2019 में आर्यमन निजी कारणों से क्रिकेट से ब्रेक ले लिया। वह आईपीएल में दो सीजन राजस्थान रॉयल्स के साथ रहे हालांकि उन्हें एक भी मैच में खेलने का अवसर नहीं मिला।

कार्लोस अल्काराज को डेविड गाफिन ने हराया, जोकोविच ने तीसरे दौर में प्रवेश किया

मियामी (एजेंसी)। कार्लोस अल्काराज को मियामी ओपन के दूसरे दौर में बेल्जियम के डेविड गाफिन ने हराया। गाफिन ने प्रत्येक सेट में दूसरे सीड की सर्विस को तोड़ने में कामयाबी हासिल की, अपने दूसरे मैच पॉइंट पर जीत को पक्का किया जब कोर्ट में स्लाइड करते हुए अल्काराज एक फोरहैंड को वापस नहीं कर सके, जिसे गाफिन ने कोने में कुशलता से रखा था। गाफिन के लिए अगला मुकाबला अमेरिकी ब्रैंडन नकाशिमा से है, जिन्होंने रॉबर्टो कार्बेल्स बेना पर 6-4, 4-6, 6-3 से जीत हासिल की। छह बार के मियामी ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजिकाटा पर 6-0, 7-6(1) की शानदार जीत के साथ टूर्नामेंट में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी कर तीसरे दौर में प्रवेश किया। यह 2019 के बाद से जोकोविच की मियामी में पहली उपस्थिति थी और उनकी जीत उनकी 410वीं एटीपी

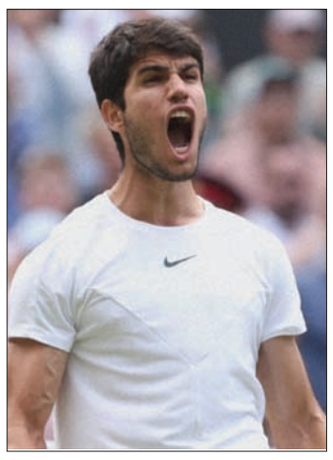

मास्टर्स 1000 मैच जीत थी, जिसने उन्हें श्रृंखला में सबसे अधिक जीत के लिए राफेल नडाल के साथ बराबरी पर ला खड़ा किया। जोकोविच ने कहा, मैं खुद को और दूसरों को भी यह बताना चाहता था कि मैं अभी भी उच्च स्तर पर खेलने में सक्षम हूं।

दूसरी ओर, सातवें वरीय रूस के दानिल मेदवेदेव, जो मौजूदा मियामी चैंपियन हैं और इंडियन वेल्स में सेमीफाइनल में पहुंचे हैं, पहले दौर में ही स्पेन के जौम मुनार से हार गए। अन्य उल्लेखनीय परिणामों में मियामी के पूर्व फाइनलिस्ट कैस्पर रूड और ग्रिगोर दिमित्रोव आगे बढ़े, जबकि ऑस्ट्रेलियाई निक किर्गियोस, जिन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में 2022 के बाद से अपनी पहली जीत हासिल की, को करेन खाचानोव ने 7-6(3), 6-0 से हराया। महिलाओं की ओर से, रूसी किशोरी मीरा एंड्रीवा, इंडियन वेल्स में सनशाइन डबल का पहला भाग जीतने के बाद मियामी ओपन में डब्यू कर रही हैं, उन्होंने वेरोनिका कुदरमेतोवा को 6-0, 6-2 से हराया। एंड्रीवा का सामना अगले दौर में दोहा चैंपियन अमांडा अनिसिमोवा से होगा।

दूसरी वरीयता प्राप्त पोलैंड की इगा स्वीयाटेक ने अपनी मजबूत फॉर्म के बदौलत कैरोलिन गार्सिया को 6-2, 7-5 से हराकर लगातार दो टूर्नामेंट में दूसरी बार जीत हासिल की है। स्वीयाटेक तीसरे दौर में बेल्जियम की एलिस मर्टेंस से भिड़ेंगी, जिन्होंने पीटन स्टर्न्स को 6-4, 6-1 से हराया। ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज ने अर्मेनिया की एलिना अवनेस्यान को 6-3, 6-3 से हराया और अब उनका अगला मुकाबला फिलिपिनो वाइल्डकार्ड एलेक्जेंड्रा एला से होगा, जिन्होंने 25वीं वरीयता प्राप्त जेलेना ओस्टापेंको को 7-6(2), 7-5 से हराया। पूर्व यूएस ओपन चैंपियन एम्मा राडुकानू ने भी एम्मा नवारो पर कड़े मुकाबले में 7-6(6), 2-6, 7-6(3) से जीत दर्ज की। आगे बढ़ने वाली अन्य महिलाओं में स्पेन की 10वीं वरीयता प्राप्त पाउला बडोसा और चेक गणराज्य की 15वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा शामिल हैं।

फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज : झू जिनर ने दूसरे दौर के बाद बढ़त बनाई

निकोसिया , साइप्रस । फीडे महिला ग्रां प्री सीरीज 2024-25 के चौथे चरण के दूसरे दौर में सिर्फ एक ही मुकाबले का परिणाम निर्णायक रहा, जिसमें चीन की झू जिनर ने जर्मनी की एलिज़ाबेथ पेहट्ज़ नें जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में बढ़त बना ली, लेकिन सभी पांच मुकाबले अपने आप में काफी रोमांचक रहे। पूर्व महिला विश्व चैम्पियन उक्रेन की मारिया मुजयचुक और भारत की पूर्व विश्व जूनियर चैम्पियन दिव्या देशमुख के बीच का मुकाबला सबसे पहले समाप्त हुआ। हालांकि सर्दी-जुकाम के चलते दिव्या का स्वास्थ्य पूरी तरह ठीक नहीं था, फिर भी उन्होंने फ्रेंच डिफेंस के स्टीनिट्ज़ वेरिएशन में आसानी से स्थिति को बराबर कर लिया। जिससे ऊंट के एंडगेम में मुकाबला 40 चालो पर ड्रा पर समाप्त हुआ। भारत की शीर्ष खिलाड़ी हरिका द्रोणावल्ली का सामना ग्रीस की स्टावरूला त्सोलाकिडु से था और यह मुकाबला निश्चित रूप से दौर का सबसे मनोरंजक था। हरिका ने रॉसोलिमो अटैक को चुना, जो एक साहसी विकल्प था, क्योंकि स्टावरूला ने पिछले दौर में इसी ओपनिंग में जीत दर्ज की थी। हालांकि हारिका एक समय थोड़ा बेहतर लग रही थी पर 42 चालों के बाद खेल ड्रॉ पर समाप्त हुआ। दूसरे दौर के बाद झू जिनर टूर्नामेंट में एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने जीत दर्ज की और अंकतालिका में बढ़त बनाई है।

विशेषज्ञ बोले रोहित, शुभमन, श्रेयस सहित ये खिलाड़ी बना सकते हैं आईपीएल में सबसे ज्यादा रन

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कौन सा क्रिकेटर सबसे अधिक रन बनाएगा। इसके लिए क्रिकेट विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी शुरु कर दी है। कुछ का मानना है कि रोहित शर्मा सबसे ज्यादा रन बनाएंगे जबकि कुछ का मानना है कि शुभमन गिल या के एल राहुल सबसे अधिक रन बनाएंगे पर किसी ने भी स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का नाम नहीं लिया है जबकि विराट ने आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाये हैं। कुछ का मानना है कि राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल भी सबसे अधिक रन बना सकते हैं। वहीं माइकल वॉन और शॉन पॉलक समेत सहित तीन विशेषज्ञा का मानना है कि बाएं हाथ का यह युवा बल्लेबाज इस सत्र में जमकर रन बनाएगा। वहीं कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि पंजाब किंग्स से खेल रहे श्रेयस अय्यर सबसे अधिक रन बनाएंगे। महिला क्रिकेटर लिसा स्थालिकर के अनुसार रोहित इस बार सबसे अधिक रन बनाएंगे जबकि कमेंटेटर हर्षा भोगले और वीरेंद्र सहवाग ने केएल राहुल का नाम लिया है। एडम गिलक्रिस्ट के अनुसार श्रेयस सबसे अधिक रन बनायेंगे। वहीं मुरली कार्तिक ने शुभमन का नाम लिया है जबकि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार यशस्वी जायस्वाल सबसे अधिक रन बनाएंगे।

युवराज संधू 67 के कार्ड के साथ शीर्ष 10 में पहुंचे

मकाऊ । भारतीय गोल्फर युवराज संधू मकाऊ में चल रही इंटरनेशनल सीरीज के तीसरे दौर में शनिवार को तीन अंडर 67 के कार्ड के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहे। एशियाई विकास टूर के विजेता संधू ने मकाऊ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में चार बर्डी के मुकाबले एक बोगी लगाई। शुरुआती तीन दौर के बाद वह नौ अंडर (69-65-67) के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से आठवें पायदान पर है। कट में जगह बनाने वाले अन्य भारतीयों में गगनजीत भुल्लर (73) दो अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त 46वें, अनिर्बान लाहिड़ी (72) एक अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त 53वें जबकि शिव कपूर (79) 78वें स्थान पर हैं।

कोच रिकी पोंटिंग को उम्मीद, पंजाब बनेगा आईपीएल 2025 का नया बादशाह

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के नए हेड कोच रिकी पोंटिंग को उम्मीद है कि उनकी टीम इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का खिताब जीत सकती है। ऑस्ट्रेलियाई विश्व कप विजेता टीम के कप्तान पोंटिंग इस सीज़न की नीलामी में बनाई गई नई टीम के प्रति काफ़ी आश्वस्त दिखे और उन्हें उम्मीद है कि वे इस साल ट्रॉफी जीतेंगे। आईपीएल ट्रॉफी जीतने को अंतिम लक्ष्य बताते हुए, पोंटिंग ने बताया कि कैसे टीम बेहतर होने और सुधार करने के लिए हर मिनट का उपयोग कर रही है और इसलिए, इस सीजन में किंग्स का सामना करने से पहले विरोधियों को खुद को अच्छी तरह से तैयार करना चाहिए।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि इस टीम का लक्ष्य आईपीएल जीतना है। धर्मशाला में आयोजित कैम्प में शामिल होने के पहले दिन ही मैंने खिलाड़ियों से कहा था कि हम पंजाब किंग्स की सबसे बेहतरीन टीम बनाने जा रहे हैं। हम इसी यात्रा पर हैं और यह रातों-रात नहीं होता। आपको इसे बनाना होता है। पोंटिंग ने कहा कि जीतना वास्तव में एक नजरिया है। अगर हम खेलने के लिए आते हैं, तो विरोधी टीम खेलने के लिए आती है। अगर वे हमें हराना चाहते हैं, तो ऐसा लगता है कि वे हमसे कुछ छीन रहे हैं और मैं किसी को भी मुझसे या मेरी टीम से कुछ छीनने नहीं देना चाहता।

इसके अलावा, नए मुख्य कोच का मानना है कि टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का सही संतुलन है, जो टूर्नामेंट में उनकी सफलता सुनिश्चित करने में एक और महत्वपूर्ण कारक होगा। अभ्यास में पहले से ही उन्हें प्रभावित करने वाले युवाओं का खुलासा करते हुए, रिकी ने कहा कि प्रियांश आर्य, मुझे लगता है कि टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए हमारे लिए एक बहुत ही खास संभावित सलामी बल्लेबाज है। हम अपने विदेशी मेकअप के साथ किस तरह से आगे बढ़ते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह बहुत ही रोमांचक है। सूर्यांश शेज भी ऐसे खिलाड़ी हैं जो अब तक हमारे प्रशिक्षण में बहुत प्रभावशाली रहे हैं।

हेड कोच ने आगे कहा कि जब मैं ऊर्जा और मस्ती की बात करता हूं, तो एक और खिलाड़ी जिससे मैं प्रभावित हूं, वह है मुशीर खान। वह पहले से ही समूह में बहुत कुछ लेकर आया है। उसका रवैया बहुत ही आकर्षक है, और प्रशिक्षण मैदान और टीम के आसपास अब तक, वह ऐसा व्यक्ति रहा है जिसके साथ काम करने में मुझे बहुत मजा आया है।

पोंटिंग ने बताया कि कैसे वह युवाओं के लिए सही उदाहरण स्थापित करने के लिए विदेशी अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा करते हैं क्योंकि युवा उनसे प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत कुछ दिया कि वे सही उदाहरण पेश करें। क्योंकि बहुत से युवा घरेलू भारतीय खिलाड़ी विदेशी लड़कों को आदर्श मानते हैं और अगर विदेशी लड़के सही काम नहीं कर रहे हैं, तो युवा भारतीय खिलाड़ियों के लिए भी सही काम न करना आसान है। इसलिए मैं विदेशी खिलाड़ियों को नेतृत्व करने करने के लिए सशक्त बनाता हूं।

इंडियन प्रीमियर लीग के सीजन 18 के लिए किंग्स का अभियान 25 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शुरू होगा। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ एक और मैच के बाद, वे अपने घरेलू

मैदान- न्यू पीसीए स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ में राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दो घरेलू मैच खेलने के लिए वापस आएंगे।

बाबिल खान ने बताया, जसलीन रॉयल संग क्यों करना चाहते थे काम

अभिनेता बाबिल खान ने बताया कि वह गायिका जसलीन रॉयल के म्यूजिक वीडियो 'दस्तूर' में काम करना चाहते थे। बाबिल ने इसके पीछे कि वजह भी बताई और रॉयल के आवाज की खूब तारीफ भी की। दिवंगत स्टार इरफान खान के बेटे बाबिल ने इंस्टाग्राम पर 'दस्तूर' म्यूजिक वीडियो के कुछ पलों की तस्वीरें शेयर कीं। बाबिल ने बताया कि रॉयल के साथ म्यूजिक वीडियो मिलने पर हर कोई खुश था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, जब जसलीन मेरे साथ म्यूजिक वीडियो करना चाहती थीं, तो हर कोई बहुत खुश था। हालांकि, वह एक स्टार हैं और मैं अभी सफर पर हूं। उन्होंने लिखा, मैं उन्हें तब से जानता हूं जब वह यूट्यूब पर वीडियो बनाती थीं। मुझे उनकी आवाज पसंद है। उनके गाने सुनकर अच्छा लगता है और परेशानियां भी हल्की होती दिखती हैं। मैंने म्यूजिक वीडियो में उनके साथ काम इसलिए किया, क्योंकि जसलीन के पास ऐसी आवाज है, जो बहुत खास है। बाबिल की पोस्ट पर कमेंट करते हुए जसलीन रॉयल ने लिखा, इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए शुक्रिया सुपरस्टार। यह हमेशा खास रहेगा। अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद बाबिल ने बॉलीवुड फिल्म 'करीब करीब सिंगल' में कैमरा असिस्टेंट के तौर पर शुरुआत की थी। साल 2022 में उन्होंने तृप्ति डिमरी के साथ अन्विता दत्त की साइको- ड्रामा 'काला' से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 'फाइडे नाइट प्लान' में नजर आए, जिसमें उनके साथ जूही चावला हैं। इसके बाद अभिनेता भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित सीरीज 'द रेलवे मेन' में नजर आए। बाबिल की अपकमिंग फिल्म अमिताभ बच्चन के साथ शूजित सरकार की 'द उमेश क्रॉनिकल्स है'।

कीर्ति कुल्हारी के पिंक में नजरअंदाज किए जाने वाले बयान पर तापसी ने दी प्रतिक्रिया

कुछ दिनों पहले अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने यह दावा किया था कि फिल्म 'पिंक' के प्रमोशन के दौरान उन्हें नजरअंदाज किया गया था। कीर्ति कुल्हारी के इस दावे पर अब फिल्म 'पिंक' की मुख्य अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

मुझे कैसे पता चलेगा

बातचीत के दौरान तापसी ने इस बारे में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मुझे कैसे पता चलेगा? उसे जो महसूस होता है, उसे महसूस करने का पूरा अधिकार है। मैं आखिरी व्यक्ति होऊंगी जो किसी को बताए कि आप जो महसूस कर रहे हैं वह गलत है। अगर किसी ने कुछ महसूस किया है, तो मुझे यकीन है कि इसके पीछे कोई कारण होगा।

मुझे पता होता तो बात करती

तापसी ने इस पूरे मामले पर आगे कहा, उसने अपनी आवाज उठाई, जो उसकी मर्जी है। अगर मुझे पता होता कि कीर्ति उस वक्त किसी भी तरह से नजरअंदाज किए जाने जैसा महसूस कर रही है, तो मैं उस समय उससे बात करना पसंद करती है और पूछती कि क्या मैं इसे बेहतर बनाने के लिए कुछ कर सकती हूं। अफसोस, मुझे नहीं पता चला, उसे उस वक्त कोई समस्या है। इसलिए मुझे नहीं पता अब क्या करना चाहिए। मैं उनकी भावनाओं को खारिज नहीं कर सकती। तापसी ने ये भी बताया कि वो और कीर्ति दोस्त नहीं हैं, लेकिन प्रोफेशनल स्तर पर दोनों के अच्छे संबंध हैं।

मेरे लिए कुछ भी नहीं बदला

कीर्ति के साथ अपने रिश्तों पर तापसी ने कहा, उसने हमारे रिश्ते या स्थिति को एक निश्चित तरीके से देखा, इसलिए शायद उसने मुझसे दूरी महसूस की। मैंने हमेशा उसके साथ पेशेवर रवैया अपनाया और अब भी रखती हूं। मैंने उसके साथ मिशन मंगल में भी काम किया है और मुझे नहीं लगता कि पेशेवर तौर पर मेरे लिए कुछ बदला है, क्योंकि जहां से मैंने देखा, मुझे कोई असमानता नहीं दिखी। इसलिए, मेरे लिए, यह वही लड़की थी जिसके साथ मैंने पिंक में काम किया था।

पीआर मशीनरी पर की थी कीर्ति ने बात

कीर्ति ने हाल ही में पीआर मशीनरी के बारे में बात की थी और पिंक के ट्रेलर में अपनी कम भूमिका पर बात करते हुए कहा था, मैंने देखा कि ट्रेलर में मुख्य रूप से तापसी और मिस्टर बच्चन थे। यह मेरे लिए पहला झटका था, क्योंकि मुझे पता है कि मैंने फिल्म में क्या किया है। शूजित ने मुझसे कहा था, 'इसकी चिंता मत करो, फिल्म को आने दो।' मैं कभी पीआर नहीं करती। मुझे विश्वास है कि मेरा काम आखिरकार देखा जाएगा।

ओटीटी पर रिलीज होने के लिए तैयार धनुष निर्देशित नीक

फिल्म धनुष द्वारा निर्देशित फिल्म निलावुकु एनमेल एन्नाडी कोबाम (नीक) बॉक्स ऑफिस पर ड्रैगन के साथ टकराई थी। अच्छी समीक्षाओं के बावजूद नीक बॉक्स ऑफिस पर व्यावसायिक रूप से फ्लॉप रही। फिल्म को तेलुगु में जबिलाम्मा निकु अंता कोपामा के नाम से रिलीज किया गया था, लेकिन यह कमाल दिखने में नाकामयाब हुई। नीक अब अपने डिजिटल डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार है। धनुष ने इसके ओटीटी रिलीज डेट का खुलासा किया। धनुष ने अपने सोशल मीडिया पर खुलासा किया कि फिल्म 21 मार्च को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म के अन्य डब संस्करण का प्रीमियर भी भी 21 मार्च को ही प्राइम वीडियो पर होगा।

इस बात से डरते हैं शाहरुख और दीपिका पादुकोण, एक्टर्स को है कौन सा फोबिया?

हम सभी को किसी ना किसी बात से डर लगता है। लेकिन कुछ लोगों का डर इतना बढ़ जाता है कि वो फोबिया में बदल जाता है। बॉलीवुड के कलाकारों के साथ भी कुछ ऐसा ही है। हाल ही अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। जिस पर उन्होंने लिखा कि वह अपने डर का सामना करने के लिए जा रही हैं। फैंस को अपने डर के बारे में अभिनेत्री ने बताया। ये फोटो बीच समंदर की थीं। इन तस्वीरों को देखकर लग रहा है कि शायद तृप्ति को समंदर में जाने से डर लगता है। ऐसे में वह इस डर को दूर करना चाहती हैं। कई और कलाकार भी हैं जिनको किसी ना किसी बात से डर लगता है।

शाहरुख खान

शाहरुख खान ने कई इंटरव्यू में इस बात का जिक्र किया है कि उन्हें घुड़सवारी करने से डर लगता है। वह 'करण-अर्जुन' फिल्म की शूटिंग के दौरान घोड़े से गिर गए थे, जिससे उन्हें चोट आई। इसी तरह फिल्म 'अशोक' के दौरान भी शाहरुख खान को घुड़सवारी करने में काफी समस्या आई। इस वजह से वह घोड़े वाले सीन फिल्मों में खुद नहीं करते हैं, इसके लिए शाहरुख खान का बॉडी डबल इस्तेमाल किया जाता है।

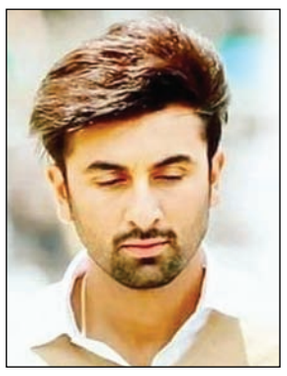

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण को नेचर से बहुत प्यार है, वह नेचर के बीच रहना पसंद करती हैं। लेकिन उनको सांप से डर लगता है। इस वजह से वह फिल्मों में ऐसे सीन्स भी नहीं करती हैं, जिसमें सांप दिखाए जाते हों।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट को अंधेरे से डर लगता है। वह अंधेरे में घबरा जाती हैं। वह रात को जब सोती हैं तो डिम लाइट जलाकर रखती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आलिया को बचपन में बहन ने एक कमरे में बंद कर दिया था, इस कारण उनके मन में अंधेरे को लेकर डर पैदा हो गया।

रणबीर कपूर

रणबीर कपूर को किसी बड़ी चीज से डर नहीं लगता है। वह तो कॉकरोच से डरते हैं। अगर कहीं कॉकरोच दिख जाए तो रणबीर कपूर वहां से दूर हो जाते हैं। रणबीर कपूर ऐसे अकेले नहीं हैं, जिनको कॉकरोच से डर लगता है, कई लोगों के मन में ऐसा डर बसा होता है, छोटे जीव-जंतु देखकर उनकी चींख निकल जाती है।

जायद खान बोले- 'जो कुछ भी हूं फिल्म 'मैं हूं ना' के कारण हूं'

राजस्थान के जयपुर में कुछ दिन पहले आईफा अवॉर्ड आयोजित हुए थे। इस अवॉर्ड फंक्शन में सितारों की महफिल जमीं, गायक से लेकर अभिनेता तक सभी लोग शामिल हुए। इस आयोजन में अभिनेता जायद खान ने भी बातचीत की।

आईफा से जुड़ी है बीस साल की यात्रा

जायद खान कहते हैं, 'आईफा में आकर ऐसा लग रहा है कि एक उम्र ही गुजर गई है। मैं इस अवॉर्ड फंक्शन से 20-21 साल से जुड़ा हूं। मेरा पहला आईफा 2005 में साउथ अफ्रीका में था। चलते-चलते बीस साल निकल गए लेकिन हम खुश हैं कि आईफा जयपुर में आयोजित हुआ। जयपुर की इतिहास के पन्नों में खास जगह है। सच में यहां आकर बहुत अच्छा लगा।'

फिल्म 'मैं हूं ना (2004)' के बारे में भी जायद खान बात करते हैं। यह फिल्म उनके करियर की हिट और खास फिल्म रही है। इसमें उन्होंने लकी का किरदार निभाया था, फिल्म में शाहरुख खान, सुष्मिता सेन जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए। फिल्म के बारे में जायद कहते हैं, 'मैं जो हूं, फिल्म 'मैं हूं ना' के कारण हूं और आगे भी रहूंगा।'

आने वाली फिल्म का जिक्र भी किया

जायद खान को दर्शक दोबारा बड़े पर्दे पर कब देख पाएंगे? इस सवाल पर जायद का कहना है कि वह अभी इस बारे में कुछ बता नहीं सकते हैं कि कब तक फिल्मों में नजर आएंगे। लेकिन अभिनेता ने इतना जरूर बताया कि उनके पास इस साल एक फिल्म है।

ऑडियंस कलेक्शन के बजाय फिल्म अच्छी या बुरी पर फोकस करे

अभिषेक बच्चन को इंडस्ट्री में तकरीबन 25 साल होने आए हैं। बीते कुछ समय से वह अपनी भूमिकाओं के मामले में लगातार प्रयोग करते जा रहे हैं। बिग बुल और ब्रीद 2 में उनका काम सराहा गया, तो बॉब बिस्वास, दसवीं, घूमर और आई वांट टू टॉक में उनके किरदारों के अलहदा रंग देखने को मिले। इन दिनों वह अपनी ओटीटी पर रिलीज हुई होने फिल्म बी हैपी को लेकर चर्चा में हैं। उनसे एक खास बातचीत।

अपनी पिछली फिल्म आई वांट टू टॉक के बाद अपनी इस फिल्म में भी आप एक पिता की भूमिका में हैं, तो आपके लिए असल जीवन में आराध्या का पिता होना कितना काम आया?

अंत में देखा जाए, तो हम सभी एक्टर हैं। हमारा काम है एक्टिंग करना। मैंने पुलिस अफसर, नेता, चोर, कॉन्ट्रैक्ट किलर जैसे कई रोल किए हैं, मगर मैं इनमें से कुछ भी नहीं हूं, तो मेरे कहने का अर्थ ये है कि हमें उन किरदारों में ढलना पड़ता है, मगर हां असल जीवन में मैं एक पिता हूं, तो मैं पिता के उस इमोशन को समझ पाया। उस किरदार को निभाने में आसानी हो जाती है, मगर फिर फिल्म और वास्तविक जीवन की सिचुएशन अलग-अलग होती है।

सदी के महानायक कहलाने वाले आपके पिता अमिताभ बच्चन हमेशा आपके लिए एक चीयरलीडर रहे हैं, वह इंडस्ट्री के दूसरे एक्टर्स का भी उत्साह वर्धन करते रहते हैं, आपके लिए उनकी प्रतिक्रिया कितनी मायने रखती है?

बहुत मायने रखती है। आपने कहा कि वह सदी के महानायक हैं और मैं उनका सबसे बड़ा फैन हूं। वह मेरे हीरो हैं और जब आपका हीरो आपको सराहे, तो अच्छा लगना स्वाभाविक है। वह इतने सीनियर हैं। उन्होंने इतना कुछ किया है, देखा है और इसके बावजूद वह आपके काम के लिए आपको कुछ अच्छा बोल रहे हैं, तो खुशी तो होगी ही। ऐसा वह सिर्फ मेरे काम के लिए नहीं करते, इंडस्ट्री के दूसरे लोगों के लिए भी करते हैं, तो बहुत अच्छा लगता है।

आम तौर पर एक्टर्स भूमिकाओं के मामले में एक सेफ फिल्म करना चाहते हैं, आप लगातार बॉब बिस्वास, दसवीं, घूमर और आई वांट टू टॉक जैसी लीक से हटकर फिल्में करने का साहस या दुस्साहस कैसे कर पाते हैं?

सच कहूं, तो मुझे तो ये सारी फिल्में सेफ ही लगी हैं। सेफ फिल्म वही होती है, जो आपके दिल को छुए। ये जितनी भी कहानियां हैं, इन्होने मेरे दिल को छुआ है। एक कलाकार अगर अपने दिल की बात नहीं सुनेगा और सिर्फ दिमाग के हिसाब से चलेगा, तो बहुत जल्दी वो अपने काम से डिस्कनेक्ट हो जाएगा। हम कलाकार इमोशनल काम करते हैं। आप अगर कोई फिल्म देखने जाते हैं, तो पूछा जाता है कि फिल्म अच्छी लगी या बुरी? कोई ये नहीं पूछता कि बुरी क्यों लगी? क्योंकि यह एक फीलिंग है। तो काम ऐसे ही चुनना चाहिए कि क्या उस कहानी ने आपको छुआ और क्या आप वो फिल्म देखना चाहेंगे? दोनों के जवाब अगर हां हैं, तो आपको वो फिल्म करनी चाहिए।

छावा को अपवाद मान लिया जाए, तो हाल-फिलहाल बॉक्स ऑफिस पर फिल्में नहीं चल पा रही हैं। आप इस पर क्या कहना चाहेंगे?

मैं आपकी बात से सहमत नहीं हूं। पिछले 12 महीने में 3-4 फिल्में ऐसी जरूर आई हैं, जिन्होंने 500 करोड़ किए हैं। देखिए जब फिल्में आएंगी, तो उसमें से कुछ चलेंगी कुछ नहीं चलेंगी। ये सदियों से चला आ रहा है और हम लोगों को अपना काम ही करना है। एक चीज जो मुझे नापंसद है, वो ये कि आजकल दर्शक कलेक्शन की जानकारी लेने में ज्यादा रुचि दिखाते हैं। हम जब छोटे थे, तब हमने कभी नहीं पूछा कि अमर अकबर एंथनी की कलेक्शन कितनी थी? हम पूछते थे, फिल्म हिट है या फ्लॉप? अच्छी है या बुरी? मुझे लगता है, फोकस वहीं लौट जाना चाहिए। आजकल मीडिया ने भी ये बहुत ज्यादा चला दिया है कि इसके कलेक्शन ये हैं, वो हैं। हम भी तो यही करते हैं। हम लोग भी तो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं न कि इतने कलेक्शन हमने किए हैं। देखिए, कलेक्शन तो इंडस्ट्री की बात है, पिक्चर अच्छी है या नहीं, इस पर बात होनी चाहिए। आपको बिजनेस से क्या लेना-देना? आपको बस इतना देखना होगा कि आपको फिल्म अच्छी लगी या नहीं?

आज इंटरनेट के जमाने में आपको नहीं लगता कि सभी के पास ओवर इन्फॉर्मेशन हो गई है? सोशल मीडिया के दौर को कैसे देखते हैं?

मैं तो सोशल मीडिया पर ज्यादा नहीं रहता। सोशल मीडिया का ट्रेंड हो गया आजकल, मगर मैं इसमें यकीन नहीं करता। मैं एक अभिनेता के तौर पर कह सकता हूं कि अंत में वही मायने रखेगा, जो आप बड़े पर्दे पर करेंगे। आप भले दस हजार सेल्फी पोस्ट कर लो, उससे कुछ नहीं होने वाला। लोग आकर आपकी फिल्म नहीं देखने वाले।

आपकी फिल्म का नाम बी हैपी है, आपके लिए खुशी की परिभाषा क्या है?

मुझे अपने काम से बहुत खुशी मिलती है। जब मैं कैमरे के सामने होता हूं, तो बहुत खुश होता हूं। उसी तरह जब मैं परिवार के साथ होता हूं, तो वो मुझे एक अलग खुशी देता है।

री-रिलीज के इस दौर में आप अपनी कौन-सी फिल्म री-रिलीज करना चाहेंगे?

मैं कभी अलविदा न कहना को री-रिलीज करना चाहूंगा, क्योंकि 2006 में जब वो फिल्म आई थी तब मुझे लगता है कि करण (करण जौहर) की वो फिल्म अपने समय से काफी आगे थी। आज कल की जो पीढ़ी है, वो इस फिल्म को समझ पाएगी। दूसरी फिल्म मैं कहूंगा, दिल्ली 6, जो मैं दोबारा रिलीज होते हुए देखना चाहूंगा।

समाचार गेट
HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

वार्ड नंबर-37 को बनाएंगे पूरी तरह से कचरामुक्त : मुकेश अग्रवाल

भाजपा पार्षद ने आरडब्ल्यूए नार्थ जोन सेक्टर-9 के साथ की स्वच्छता अभियान की शुरुआत

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरु किए गए स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाते हुए कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल के निर्देश पर नगर निगम वार्ड नंबर-37 से भाजपा पार्षद मुकेश अग्रवाल ने आरडब्ल्यूए नार्थ जोन सेक्टर-9 फरीदाबाद के साथ मिलकर वार्ड में संयुक्त रुप से स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। इस दौरान पार्षद मुकेश अग्रवाल व आरडब्ल्यूए के प्रधान रणवीर शर्मा व अन्य पदाधिकारियों ने सफाई कर्मचारियों को माला पहनाकर एवं शॉल ओढाकर उनका सम्मान किया। इस मौके पर उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए भाजपा पार्षद मुकेश अग्रवाल ने कहा कि सफाई में मां लक्ष्मी का वास होता है, जहां साफ-सफाई होती है, वहां सुख-समृद्धि आती है और चुनावों के दौरान जनता से उन्होंने जो वार्ड को कचरामुक्त करने का वायदा किया था, उस पर काम शुरू कर दिया गया है और वार्ड के कोने-कोने की बेहतर तरीके से सफाई करवाकर वार्ड नंबर 37 को कचरा मुक्त किया जाएगा। श्री अग्रवाल ने कहा कि आगामी दो माह के बाद मानसून आने वाला है, ऐसे में जलभराव की होने वाली समस्याओं से निपटने की दिशा में भी काम शुरू कर दिया गया है, इस बार लोगों को जलभराव की समस्या से नहीं जूझना होगा, इसकी वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। सेक्टर-9-10,11, सेक्टर-4आर और पटेल नगर जगहों पर सीवरेज लाईनों की सफाई करवाई जाएगी, ताकि लोगों को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े। इस मौके पर आरडब्ल्यूए के प्रधान रणवीर शर्मा ने पार्षद मुकेश अग्रवाल का स्वागत करते हुए उनकी इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि आज जो सफाई अभियान की शुरुआत उन्होंने सेक्टर-9 मार्किट से की है, वह काफी कारगर सिद्ध होगी और लोगों गंदगी से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे भी पार्षद मुकेश अग्रवाल अपने किए हर वायदे को पूरा करके इस वार्ड को बेहतर बनाने का काम करेंगे। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए सेक्टर-9 के उपप्रधान सतबीर शर्मा, अरुण बजाज, हरीश सिंगला, राकेश तनेजा, सुरेंद्र नागर, नवीन तंवर, अमित नंबरदार, सतपाल रहेजा, हुकमचंद लाम्बा, झलक अग्रवाल, प्रशांत अग्रवाल, सुरेंद्र अब्बी इत्यादि अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

पार्षद रेखा सैनी और वरिष्ठ दंत चिकित्सक डा. मधु ने किया स्वास्थ्य जागरुकता शिविर का शुभारंभ

स्वस्थ जीवन शैली के लिए ओरल हाइजीन बेहद जरुरी : डा. पुष्पा धनवाल

समाचार गेट/संजय शर्मा

गुरुग्राम। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व मौखिक स्वास्थ्य (ओरल हेल्थ) दिवस के अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, गुडग़ांव गांव स्थित ओल्ड एज होम में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर निगम, गुरुग्राम की पार्षद रेखा सैनी व वरिष्ठ दंत चिकित्सक डा. मधु ने संयुक्त रुप से जागरुकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए दंत चिकित्सक डा. पुष्पा धनवाल ने मुंह की सफाई रखने से होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

निगम पार्षद रेखा सैनी ने शिविर का शुभारंभ करते हुए कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता रखने से हम अनेक बीमारियों से बचाव कर सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से समय-समय पर जागरुकता शिविरों का आयोजन किया जाता है। इन शिविरों में भागीदारी करने से न केवल हमारा ज्ञान वर्धन होता है बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता भी आती है। उन्होंने शिविर के आयोजन के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बधाई दी।

वरिष्ठ दंत चिकित्सक डा. मधु ने बताया कि हर वर्ष मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता के लिए एक थीम भी निर्धारित किया जाता है। इस वर्ष का थीम एक खुश मुंह है-एक खुश मन है (ए हैप्पी माउथ इज....ए हैप्पी माइंड) रखा गया है। दुनिया भर में मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाने व ओरल संबंधी समस्याओं के निपटान के लिए इस दिन लोगों को जागरूक किया जाता है।

दंत चिकित्सक डा. पुष्पा धनवाल ने कहा कि मुंह की सफाई के लिए हमें सुबह और शाम ब्रश अवश्य करना चाहिए। साथ ही कुछ भी खाने के बाद कुल्ला अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन शैली के लिए ओरल हाइजीन पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। मुंह की स्वच्छता को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही नहीं करनी चाहिए। इस दौरान ओरल हाइजीन को लेकर भी शिविर के प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं शिविर में बच्चों को नि:शुल्क टूथब्रश और पेस्ट भी वितरित की गई। इस अवसर पर डा. सुमित आरबीएसके, फार्मासिस्ट हरविंदर, भूपेंद्र, नर्सिंग अधिकारी चेतना व अनिता एएनएम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी भी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के लिए पत्रकारिता में हैं अपार संभावनाएं : नरेश गर्ग

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। पीएम श्री स्कूल पाटखोरी में आज सरकार की योजना के मुताबिक यंग राइटर्स एडिटोरियल क्लब का गठन किया गया तथा बच्चों को युवा रिपोर्टर्स की जिम्मेदारी सौंपी गई। अब युवा गांव के जाकर गांव की समस्याओं और पंचायत के बेहतरीन कार्यों को रेखांकित करते हुए न्यूज बनाएंगे। जिनको बाद में स्कूल की मैगजीन में प्रकाशित किया जाएगा। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य परवीन सैनी ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा छात्रों में लेखन कला विकसित करने और युवा पत्रकार पैदा करने के उद्देश्य से यग राइटर्स एडिटोरियल क्लब का गठन किया है। इस पहल से विद्यार्थियों में लेखन के गुण विकसित होंगे और वो आगे चलकर लेखक, कवि, पत्रकार, सक्रिप्ट राइटर जैसे पेशे को चुन सकेंगे।

मुख्य अतिथि पत्रकार नरेश गर्ग ने युवा राइटर्स को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकार के कंधों पर समाज कि जिम्मेदारी होती है, पत्रकार की कलम की एक बूंद क्रांति भी ला सकती है और तबाही भी ला सकती है। इसलिए पत्रकारिता बहुत संवेदनशील पेशा है। श्री गर्ग ने आगे कहा कि युवाओं को लेखन में आगे आना चाहिए, आज अच्छे पत्रकारों को बहुत अच्छे मीडिया हाउस में शानदा अवसर हैं। पत्रकारिता के अलावा लेखक ,कवि और सक्रिप्ट राइटर आदि भी बहुत अच्छे विकल्प हो सकते हैं। एडिटोरियल क्लब के संयोजक और प्रवक्ता नाजिम आजाद ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाला जमाना आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का है, जमाने के साथ चलने के लिए हमें आधुनिक शिक्षा और प्रचलन के साथ तालमेल बैठाना आवश्यक है।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे प्रवक्ता पवन यादव ने कार्यक्रम को शहीदों को समर्पित करते हुए कहा कि आज के युवाओं को हमारे शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, अशफाक उल्लाह खान, राजा हसन खां मेवाती जैसे शहीदों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। इस अवसर पर देश के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक पदम सिंह, हरिओम गोयल, राशिद खान, जितेन्द्र जैन, राजीव मित्तल, रामावतार शास्त्री, अनीता देवी, गीता पीटीआई,विकास कुमार, शेर मोहम्मद, सलामुद्दीन, जाकिर हुसैन, विनोद कुमार, चंद्र प्रकाश सहित विद्यार्थी और युवा रिपोर्टर मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को दान की मानदेय की राशि :

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पत्रकार नरेश कुमार गर्ग को प्रधानाचार्य ने विभाग की हिदायत अनुसार मानदेय की राशि सौंपी तो नरेश गर्ग ने तमाम राशि को विद्यार्थियों के जलपान के लिए समर्पित कर दिया। विद्यार्थियों ने करतल ध्वनि से नरेश गर्ग की दरिया दिली का स्वागत किया। नरेश गर्ग ने आगे कहा कि वो जरूरत पड़ने पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी जरूरत के लिए हाजिर हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पाटखोरी स्कूल से एक अलग ही लगाव हो गया है क्योंकि यहां का स्टाफ और बच्चे अनुशासित और मेहनती हैं।

पन्हैड़ा कलां में भागवत कथा आयोजित

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

बल्लबगढ़। पन्हैड़ा कलां में आज से श्रीमद्भागवत कथा का दिव्य आयोजन शुभारंभ हो गया। कथा का आयोजन पन्हैड़ा की समस्त बस्ती के सहयोग से किया जा रहा है। श्रद्धेय श्री अत्रि जी महाराज के मुखारबिंद से कथा वाचन किया जा रहा है। समस्त विश्व कल्याण, वैश्विक शांति और सर्व समाज के अभ्युदय एवं उत्थान के लिए यह कथा 21 से 28 मार्च तक भव्य आयोजन जारी रहेगा। प्रथम दिन बड़ी संख्या में धूमधाम के साथ सभी ग्राम समाज के लोगों ने भव्य कलश यात्रा गांव में निकाली गई। गांव में जगह-जगह कलश यात्रा का भव्य स्वागत हुआ। कथा का आयोजन शिव मंदिर, पन्हैड़ा कलां में किया जा रहा है।

डीसी ने प्रात:काल ग्रामीणों के साथ गाँव का भ्रमण कर, लिया विकास कार्यों का जायजा

समाचार गेट/संजय शर्मा

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार की 'रात्रि ठहराव' पहल के तहत जिला प्रशासन ने शुक्रवार को सोहना ब्लॉक के सिलानी गांव में रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित किया। डीसी अजय कुमार ने गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान जिला प्रशासन के सभी महत्वपूर्ण विभागों ने शिविर लगाकर ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

रात्रि ठहराव कार्यक्रम में पहुंचने पर डीसी अजय कुमार का गांव के सरंपच जयपाल के साथ ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। इसके बाद डीसी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए कैंप का निरीक्षण किया। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में सरपंच जयपाल ने ग्राम पंचायत की तरफ से मांग पत्र डीसी के समक्ष पढ़ा। डीसी ने गांव का विकास व उन्नति के लिए समस्याओं को दूर करते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

डीसी अजय कुमार ने कहा कि ग्रामीण बेझिझक होकर अपनी समस्याओं को जिला प्रशासन के समक्ष रखें। रात्रि ठहराव के दौरान ग्रामीण महिलाओं की भी भागीदारी रही और उन्होंने भी अपनी समस्याओं के बारे में जिला प्रशासन के अधिकारियों को अवगत करवाया। डीसी ने कहा कि सरकार जनता की सेवा के लिए तत्पर है। प्रशासन खुद गांवों में पहुंचकर लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल कर रहा है। डीसी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि हर समस्या का समाधान किया जाएगा और प्रशासन आपके साथ खड़ा है।

पार्षद पवन यादव ने की वार्ड की सुरक्षा के लिए बैठक

वार्ड 40 से पार्षद पवन यादव ने हुड्डा मार्केट, हाऊसिंग बोर्ड, मार्केट कमेटी एवं वार्ड के प्रमुख लोगों के साथ आज पुलिस चौकी इंचार्ज के साथ वार्ड 40 की सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की। साथ ही पुलिस राइडर्स की गश्त भी बढाने का निवेदन किया। चित्र : समाचार गेट

फ्री होम डिलीवरी, अखबार की कटिंग साथ लाने पर 10 प्रतिशत की छूट
संपर्क करें: 9811153271

davaindia GENERIC PHARMACY
डिस्काउंट के पीछे भागना छोड़ो
दवाइयों के बिल पर अधिकतम बचत करें*
100%* असरदार
MEDICINES | HEALTH & WELLNESS | OTC
COSMETICS | PROTEIN SUPPLEMENTS | AYURVEDIC | NUTRACEUTICAL
Khadi India
के सभी प्रोडक्ट्स उपलब्ध
संपर्क करे 9811153271
शॉप नंबर 75, नई अनाज मंडी, बल्लभगढ़, फुट ब्रिज के पास, फ़रीदाबाद -121004

davaindia GENERIC PHARMACY

कैटेगरी	दवाइंडिया की कीमतें	दवाई की मार्केट में औसतन कीमत	बचत (प्रतिशत)
बीपी एवं हार्ट	₹ 20 (10 Tab)	₹ 67 (10 Tab)	70%
एंटी-डायबिटीज	₹ 30 (15 Tab)	₹ 204 (15 Tab)	85%
मल्टीविटामिन	₹ 50 (15 Tab)	₹ 110 (15 Tab)	54%
नेफ्रो	₹ 33 (10 Tab)	₹ 347 (10 Tab)	90%
डर्मा	₹ 45 (04 Tab)	₹ 99 (04 Tab)	54%
पेन रिलीफ मेडिसिन	₹ 35 (10 Tab)	₹ 130 (10 Tab)	73%
एंटी-कोल्ड / एलर्जी	₹ 27 (10 Tab)	₹ 226 (10 Tab)	88%
एंटासिड	₹ 25 (10 Tab)	₹ 140 (10 Tab)	82%

फार्मा में 35+ सालों का अनुभव | NABL लैब द्वारा प्रमाणित प्रोडक्ट्स | सभी प्रोडक्ट्स WHO सर्टिफाइड प्लांट्स में निर्मित | 2000+ प्रोडक्ट्स उपलब्ध
Khadi India
के सभी प्रोडक्ट्स उपलब्ध
1000+ Stores | 200+ Districts | 26 States
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे 9811153271

OMAXE
Turning dreams into reality
250 Sqft. Shop
Starts @35.87 Lakhs
Monthly Rent 37,125/-
INVESTOR SMILE REAL ESTATE
9899403449, 9810796736